



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ५०] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर ११, १९७६ (अग्रहायण २०, १८९८)

No. ५०] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 11, 1976 (AGRAHAYANA 20, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-११००११, दिनांक १७ नवम्बर १९७६

सं० पी०/१८३७-प्रशा० I—दलाहालाद विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग के भूतपूर्व रीडर, डा० वी० एम० मिश्र को, जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक १४-९-१९७६ द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में ३०-११-१९७६ तक उप सचिव के पद पर पहले नियुक्त किया गया था, १४-३-१९७९ तक, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी पद पर कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई है।

प्र० ना० मुखर्जी,
अवर सचिव,
फूते अधीक्षक,
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-११००११, दिनांक १० नवम्बर १९७६

सं० ए० ३२०१४/२/७६-प्रशा० III—केन्द्रीय सचिवालय सेवा नियमाली, १९६२ के नियम १० के उपर्यन्थ के अधीन संघ लोक १-३६६ जी आई/७६

(10375)

सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा (के० स० स्ट० सेवा का ग्रेड क) के स्थायी चयन ग्रेड अधिकारी श्री एम० पी० जैन को, राष्ट्रपति द्वारा १-११-१९७६ (पूर्वांक) से २८-२-१९७७ तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

प्र० ना० मुखर्जी
अवर सचिव,
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

मन्त्रिमंडल सचिवालय
(कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली-११००११, दिनांक २० नवम्बर १९७६

सं० आर०-१५/७२-प्रशासन-५—श्री आर० जगन्नाथन, पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, बंगलौर ने दिनांक १-११-१९७६

के अपराह्न में पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, बंगलौर शाखा के पद का कार्यभार त्याग दिया।

उनकी सेवाएं कर्नाटक राज्य सरकार को वापस सौंप दी गयीं।

सं० ए०-१९०२१/५/७६-प्रशासन-५—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से कर्नाटक संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी श्री आर० विश्वनाथन को दिनांक १-११-१९७६ के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना) में प्रतिनियुक्ति के आधार पर पुलिस-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

पी० एस० निगम
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

प्रबत्तन निदेशालय

नई दिल्ली-१, दिनांक 25 अक्टूबर 1976

फा० सं० ए०-११/३७/७६—श्री बी० एस० दयाल, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, दिल्ली को प्रबत्तन निदेशालय के दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 30-९-१९७६ (अपराह्न) से अगले आदेशों तक के लिए प्रबत्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

जे० एन० अरोड़ा
उप-निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 18 नवम्बर 1976

सं० २/१४/७६-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री ओ० सी० राफल, मंडल अभियंता, दक्षिण पूर्वी रेलवे, को ५ नवम्बर, १९७६ पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 नवम्बर 1976

सं० २/१४/७६-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री के० के० शर्मा, कार्यपालक अभियंता, संघ लोक सेवा आयोग को १६ नवम्बर १९७६ पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

श्री निवास

अवर सचिव

इस्ते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल महानिदेशालय

नई दिल्ली-११०००१, दिनांक 18 नवम्बर 1976

सं० ओ०-II-12/७३-स्थापना—श्री पी० जे० जैसेक, उड़ीसा संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी की सेवायें मंत्रिमंडल सचिवालय को निवर्तन हेतु सौप देने के फलस्वरूप, ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के महानिदेशालय में उप-निदेशक (परिचालन के पद का कार्यभार दिनांक 31-१०-१९७६ अपराह्न से छोड़ा।

दिनांक 21 नवम्बर 1976

सं० ओ० II-७२३/६९-स्थापना—डॉक्टर एस० विजय कुमार ने स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) नई दिल्ली में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप ३१-१०-१९७६ के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के जी० डी० ओ० ग्रेड-I के पद का कार्य भार छोड़ा।

ए० के० अन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय ओडिओग्राफ सुरक्षा बल

नई दिल्ली-११०००३, दिनांक 15 नवम्बर 1976

सं० ई०-१७०१७/६/७४-सा० II—राष्ट्रपति, के० ओ० सु० ब० अधिनियम १९६८ की धारा ४ की उपधारा (१) की शर्तों के अनुसार मिश्रधातु (एलॉय) इस्पात संयंत्र दुर्गपुर के अग्निशमन अधिकारी श्री एस० पी० वेंग को १३-१०-१९७६ से अगले आदेशों तक मिश्रधातु इस्पात संयंत्र, दुर्गपुर का पदेन सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

ली० सि० बिष्ट,
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-११००११, दिनांक 20 नवम्बर 1976

सं० ११/४/७६-प्रशा०-एक—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक श्री ओ० पी० शर्मा को तारीख ५ नवम्बर, १९७६ के पूर्वाह्न से तारीख २८ फरवरी, १९७७ तक या अगले आदेशों तक जो भी समय इसमें पहले हो, उत्तर प्रदेश में जनगणना निदेशक के कार्यालय में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सही नियुक्त करते हैं।

श्री शर्मा का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

सं० ११/१०/७६-प्रशा०-एक—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी)

श्री एस० एस० जायसवाल को 10 नवम्बर, 1976 के पूर्वान्त्र से एक वर्ष की अधिकारी के लिए उत्तर प्रदेश में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में पूर्णतः अस्थायी और तबर्थ आधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री जायसवाल का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

बद्री नाथ,
भारत के उप महापंजीकार
और पदेन उप सचिव

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
महालेखाकार का कार्यालय, केरल
तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 16 नवम्बर 1976
सं० स्था०/हकदारी/6/10-3/321—महालेखाकार, केरल के कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री डी० बी० कर्ता अधिकर्ष की आयु में 31 अक्टूबर 1976 अपराह्न को सेवानिवृत्त हो गये।

एच० एम० एस० भट्टनागर
महालेखाकार

रक्षा लेखा विभाग
कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक,
नई दिल्ली-22, दिनांक 19 नवम्बर 1976

सं० 18225/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एस० पी० खन्ना, रक्षा लेखा सहायक महानियन्त्रक, पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिये जाएंगे और उनका नाम 31-3-1977 (अपराह्न) से विभाग की नफरी से निकाल दिया जायेगा।

2. श्री एस० पी० खन्ना, रक्षा लेखा सहायक महानियन्त्रक को दिनांक 2-1-3-1976 से 31-3-1977 तक 120 दिन की सेवा निवृत्ति पूर्व अर्जित छुट्टी मंजूर कर दी गई है।

शुद्धि पत्र

भारत के राजपत्र दिनांक 8-9-1976 भाग-III खण्ड-I पृष्ठ सं०-8437 तथा हिन्दी अनुवाद पृष्ठ सं०-8330 में प्रकाशित, इस कार्यालय की, श्री खन्ना रक्षा लेखा सहायक महानियन्त्रक संबन्धी समसंख्यक अधिसूचना, एतद द्वारा रह की जाती है।

पी० के० रामानुजम,
रक्षा लेखा अपर महानियन्त्रक (प्रशासन)

नई दिल्ली-22, दिनांक 16 नवम्बर 1976

सं० 40011 (2)/76- प्रशा० ए०—(1) वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा।

क्र० सं०	नाम, रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना को अन्तरण की तारीख	संगठन
1	2	3	4	5

संवेदी

- अर्जीत सिंह साहनी (पी०/185) . . . स्थायी लेखा अधिकारी 28-2-1977 रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
- मनमोहन सिंह (पी०/279) . . . स्थायी लेखा अधिकारी 28-2-1977 रक्षा लेखा संयुक्त नियन्त्रक, (निधि) मेरठ।
- एम० जी० धपरे (पी०/393) . . . स्थायी लेखा अधिकारी 31-3-1977 रक्षा लेखा नियन्त्रक, (अफसर) पुना।
- डी० राममूर्ति (पी०/437) . . . स्थायी लेखा अधिकारी 30-4-1977 रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ (राष्ट्रीय कैडेट कोर निदेशालय भुवनेश्वर में प्रति-नियुक्ति पर)।
- वाई० भाष्कर राव (पी०/574) . . . स्थायी लेखा अधिकारी 31-12-1976 रक्षा लेखा नियन्त्रक, (पेंशन) इलाहाबाद।
- द्वार्चंद लाल गुप्ता (पी०/595) . . . स्थायी लेखा अधिकारी 31-1-1977 रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।

1	2	3	4	5
सर्वेश्वरी				
7.	बी० शिव राम कृष्णन् (पी०/610)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-1977	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (अफसर) पूना।
8.	ए० सी० जैन (पी०/613)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-1977	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
9.	जे० सी० गुलाटी (पी०/621)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-1977	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
10.	प्पारे लाल अग्रवाल (पी०/637)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-1977	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
11.	लाभ सिंह ओबेराय (ओ०/4-ए०)	स्थानापन्थ लेखा अधिकारी	31-3-1977	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
12.	रोशन लाल शर्मा (ओ०/6)	स्थानापन्थ लेखा अधिकारी	31-1-1977	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
13.	रघुबीर सिंह (ओ०/317)	स्थानापन्थ लेखा अधिकारी	31-12-1976	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (पेशन) इलाहाबाद।
14.	आनन्द राम खन्ना (ओ०/389)	स्थानापन्थ लेखा अधिकारी	31-12-1976	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
15.	पी० एस० कोचर (ओ०/400)	स्थानापन्थ लेखा अधिकारी	30-4-1977	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ।
16.	आर० एन० भार्गव (अभी नियत नहीं)	स्थानापन्थ लेखा अधिकारी	31-12-1976	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (पेशन) इलाहाबाद।
17.	दफेदार सिंह (अभी नियत नहीं)	स्थानापन्थ लेखा अधिकारी	31-12-1976	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ।

2. रक्षा लेखा महानियन्त्रक निम्न लिखित लेखा अधिकारियों के निधन को खेद के साथ अधिसूचित करते हैं। उनको, उनके नाम के सामने लिखी तारीख से, विभाग की नफरी से निकाल दिया गया है :

क्र० सं०	नाम, रोस्टल संख्या सहित	ग्रेड	निधन होने की तारीख	विभाग की नफरी से निकाले गए	संगठन
सर्वेश्वरी					
1.	बी० श्री राममूर्ति (पी०/145)	स्थायी लेखा अधिकारी	1-10-1976	2-10-1976 (पूर्वाल्क)	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना।
2.	दिवान चन्द रामपाल (पी०/363)	स्थायी लेखा अधिकारी	20-8-1976	21-8-1976 (पूर्वाल्क)	रक्षा लेखा नियन्त्रक, उत्तरी कमान, जम्मू।

3. (क) श्री दिवान चन्द रामपाल संवंधी, इस विभाग की अधिसूचना संख्या 40011 (2)/76-प्रशा० ए० दिनांक 11-8-1976 की मद 6 की समस्त प्रविष्टियां एतद् द्वारा रद्द की जाती हैं।

(ख) निम्न लिखित को, इस विभाग की अधिसूचना संख्या 40011(2)/76-प्रशा० ए० दिनांक 2-8-1976 में पैरा (4) के रूप में जोड़ा जाता है।

“श्री ए० के० चट्ठी, स्थायी लेखा अधिकारी को 3-11-1976 से 31-1-1977 तक 90 दिन की, रोग शिवृति पूर्व छट्टी मंजूर की गई है”।

दिनांक 20 नवम्बर 1976

सं० 40011(1)/76-प्रशा०-ए०—रक्षा लेखा महानियन्त्रक, निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा) को स्थानापन्थ लेखा अधिकारियों के रूप में, आगामी आवेदण पर्यन्त, प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से एवं द्वारा नियुक्त करते हैं :

क्र०	नाम	संगठन जिसमें सेवारत है	तारीख
सं०		3	4
1	2		
सर्वश्री			
1.	एम० पी० सोनी	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान	17-5-1976 (पूर्वाह्न)
2.	जगमोहन लाल शर्मा	रक्षा लेखा नियन्त्रक, अन्य रैक, उत्तर मेरठ ।	5-7-1976 (पूर्वाह्न)
3.	एयामल देव	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	22-7-1976 (पूर्वाह्न)
4.	के० एल० माकिन	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ ।	30-6-1976 (पूर्वाह्न)
5.	ए० आर० चन्द्र शेखर राजू	रक्षा लेखा नियन्त्रक (दक्षिण) मद्रास ।	13-8-1976 (पूर्वाह्न)
6.	पी० के० सहगल	रक्षा लेखा नियन्त्रक (वायु सेना) देहरादून ।	31-7-1976 (पूर्वाह्न)
7.	सरदारी लाल कुकरेजा	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) उत्तर मेरठ ।	20-8-1976 (पूर्वाह्न)
8.	के० एन० मलहोत्रा	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ ।	29-7-1976 (पूर्वाह्न)
9.	काशी राम	रक्षा लेखा नियन्त्रक (वायु सेना) देहरादून ।	16-9-1976 (पूर्वाह्न)
10.	उमेद सिंह	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।	12-8-1976 (पूर्वाह्न)
11.	आर० एल० भारद्वाज	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।	10-8-1976 (पूर्वाह्न)
12.	दफेदार सिंह	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ ।	2-8-1976 (पूर्वाह्न)
13.	मदन लाल शर्मा	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ ।	4-9-1976 (पूर्वाह्न)
14.	पी० एल० शर्मा	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना ।	30-8-1976 (पूर्वाह्न)
15.	सी० आर० गांगुली	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन) इलाहाबाद ।	4-9-1976 (पूर्वाह्न)
16.	तख्त सिंह	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) उत्तर मेरठ ।	7-8-1976 (पूर्वाह्न)
17.	ए० डब्ल्यू० गोडबोले	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना ।	27-9-1976 (पूर्वाह्न)
18.	जी० एल० सरकार	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	13-9-1976 (पूर्वाह्न)
19.	बी० एस० आठवले	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना ।	1-9-1976 (पूर्वाह्न)
20.	बी० स्वामीनाथन	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।	8-9-1976 (पूर्वाह्न)
21.	एम० आर० उपाध्ये	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना ।	2-9-1976 (पूर्वाह्न)
22.	बिन्द बासिनी प्रसाद	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन) इलाहाबाद ।	1-10-1976 (पूर्वाह्न)
23.	एच० एस० हरिहरन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (नी सेना) बम्बई ।	7-10-1976 (पूर्वाह्न)
24.	बी० एस० नारायण स्वामी	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास ।	1-10-1976 (पूर्वाह्न)
25.	एस० अरुणाचलम	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना ।	1-10-1976 (पूर्वाह्न)
26.	हरिचन्द्र सतीजा	रक्षा लेखा नियन्त्रक (वायु सेना) देहरादून ।	4-10-1976 (पूर्वाह्न)
27.	एम० पी० शर्मा	रक्षा लेखा संयुक्त नियन्त्रक (निधि) मेरठ ।	4-10-1976 (पूर्वाह्न)
28.	जी० एल० मकाशीर	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना ।	1-10-1976 (पूर्वाह्न)
29.	एन० बी० पंडित	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना ।	1-10-1976 (पूर्वाह्न)

श्रम मंत्रालय

श्रम व्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 3 दिसम्बर 1976

सं० 23/3/76-सी० पी० आई०—अक्टूबर 1976 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार 1960=100) सितम्बर, 1976 के स्तर से दो अंक बढ़कर 304 (तीनसौ चार) रहा। अक्टूबर, 1976 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किए जाने पर 369 (तीन सौ उनहत्तर) आता है।

सुकुमार र,
उपनिदेशक

वाखिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 5 अगस्त 1976

सं० 10(1)/73-76/सी० एल० बी०-II—कपास नियन्त्रण आदेश 1955 के खंड 4 ए में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा निदेश देता हूँ कि भारतीय रुई निगम मर्यादित (काटन कार्पोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड), बम्बई को छोड़कर कोई भी 'ए' कलास लाइसेंसधारी या 'बी' कलास लाइसेंसधारी 21 अगस्त 1976 को या उसके बाद अपने कब्जे में इतना कपास (रुई) रखेगा जिसका परिमाण 30 जून 1976 को उसके कब्जे में रखे कपास (रुई)—जिसकी सूचना उसे उक्त आदेश के खंड 15 के अनुपालन में संबंधित लाइसेंसिंग अधिकारी को देनी होती है—के 50% के समतुल्य परिमाण से अधिक नहीं होगा।

इस अधिसूचना का प्रभाव विनिर्माताओं पर नहीं होगा परंतु विनिर्माता के कब्जे में रखे जानेवाले कपास (रुई) का परिमाण वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 10(1)/73-74/सी० एल० बी०-II दिनांक 19 दिसम्बर 1974 से ही विनियमित होता रहेगा।

राजेन्द्र पाल कपूर

वस्त्र आयुक्त

पूर्ति विभाग

मुख्य लेखा नियन्त्रक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 अक्टूबर 1976

सं० ए०-32014/75-77/प्रशासन (समन्वय) /1381-82—मुख्य लेखा नियन्त्रक, पूर्ति विभाग, नई दिल्ली ने अपने संगठन के श्री के० के० विशिष्ट, कनिष्ठ लेखा अधिकारी को दिनांक 24-8-1976 अपराह्न से उप लेखा नियन्त्रक पूर्ति विभाग, मद्रास के कार्यालय में आगामी आदेश तक लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

इनकी पदोन्नति से नामिका (पेनल) में इनको वरिष्ठ व्यक्तियों के दावों और अधिकारी पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।

इनकी पदोन्नति पूर्व मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी के संगठन (वेतन तथा लेखा अधिकारी और अब लेखा अधिकारी) भर्ती नियम 1974 की शर्तों के अध्यधीन है।

जे० बी० दत्ता
लेखा अधिकारी

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन-I अनुभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1976

सं० प्र०-1/1 (82)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में पूर्ति निवेशक भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-I, श्री पी० पी० कपूर को दिनांक 21 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाल्प से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप महानिदेशक के पद पर तवर्ध आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 नवम्बर 1976

सं० ए०-1/1 (1072)—श्री हुक्म सिंह ने पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में सहायक निवेशक (ग्रेड-II) के पद से इसी महानिदेशालय में अब वर क्षेत्राधिकारी के अराजपत्रित पद पर अवधार होने पर दिनांक 28-10-1976 के अपराह्न से सहायक निवेशक (ग्रेड-II) का पद भार छोड़ दिया।

दिनांक 24 नवम्बर 1976

सं० प्र०-1/1 (1055)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निरीक्षण निवेशक, मद्रास के कार्यालय के अधीक्षक (अधीक्षण स्तर-II) श्री टी० ए० रामभद्रन को दिनांक 30-8-1976 के पूर्वाल्प से आगामी आदेशों को जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान निवेशालय मद्रास में श्री ए० राजाराम राऊ के स्थान पर सहायक निवेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० एल० कोहली,

उपनिदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1976

सं० प्र०-1/1 (86)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निवेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) श्री अरदमन सिंह को दिनांक 21 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाल्प से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में निवेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के लिये ग्रेड-I) के पद पर तवर्ध आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० एल० कोहली,

उप निवेशक (प्रशासन)

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 28 अक्टूबर 1976

शद्दि पत्र

सं० ए०-6/24/(338)/II—इस कार्यालय की दिनांक 24-5-1976 की अधिसूचना सं० ए०-6/24/(328)/II से निम्न शब्दों को हटा दिया जाये :—

“भांडार के परीक्षक (हन्जीनियर) तथा स्थानापन्न”

दिनांक 15 नवम्बर 1976

सं० प्र०-6/247 (272)/60/II—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी) श्री एन० वी० राव को दिनांक 23 सितम्बर, 1976 के अपराह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी I के ग्रेड-III की इन्जीनियरी शाखा में निरीक्षण अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री एन० वी० राव ने सहायक निरीक्षण अधिकारी का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 23 सितम्बर, 1976 के अपराह्न से उत्तरी निरीक्षण मंडल के अधीन उप-कार्यालय कानपुर में निरीक्षण अधिकारी (इन्जीनियरी) का पदभार सम्भाल लिया।

सं० प्र०-6/247 (297)/6—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी श्री एस० सी० सेनगुप्त को दिनांक 27-9-1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड-III की इन्जी० शाखा में नियुक्त करते हैं।

श्री सेनगुप्त ने सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 27-9-1976 से निरीक्षण निवेशक कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) का पद भार सम्भाल लिया।

सं० प्र०-6/247 (340)/61—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी श्री आर०पी० मंडल को दिनांक 27-9-1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-III की इन्जीनियरी शाखा में निरीक्षण अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री मंडल ने सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) का पदभार छोड़ दिया तथा दिनांक 27-9-1976 से निरीक्षण निवेशक, कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) का पदभार सम्भाल लिया।

सूर्य प्रकाश
उप निवेशक (प्रशासन)
हृते महानिवेशक, प्रूति तथा निपटान

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 16 नवम्बर 1976

सं० स्था० 1-515 8/1179-ई० एम०—श्री सुभाष चन्द्र अग्रवाल को मानशिल प्रकाशन निवेशक, भारतीय सर्वेक्षण विभाग में एक अस्थायी पद के प्रति सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप बी० (राजपत्रित) में 650-30-740-35-810-८० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 र० के संशोधित वेतनमान में 27 अक्टूबर, 1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश दिए जाने तक कार्य प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया जाता है।

के० एल० खोसला
मेजर जनरल
भारत के महासर्वेक्षक

आकाशवाणी महानिवेशक

नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1976

शुद्धि पत्र

सं० 12/8/75-विज०/एस० दो०—इस महानिवेशक की अधिसूचना सं० 12/8/75-विज० एस० दो दिनांक 30-8-1976 (अंग्रेजी रूपान्तर) की दूसरी पंक्ति में “श्री मनी कुमारी डोंग” को “श्री मनी कुमार डोंग” पढ़ा जाये।

एस० वी० सेपाद्री
प्रशासन उपनिवेशक
हृते महानिवेशक

नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1976

सं० 6 (15)/63-स्टाफ-1—एफ० आर० 56 (के) के अन्तर्गत, श्री एन० जी० मजूमदार, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, पुणे, 31 अक्टूबर, 1976 से स्वेच्छा से सेवा-निवृत्त हो गए।

सं० 5 (101)/71-स्टाफ-एक—श्री एस० आर० चैटर्जी, कार्यक्रम निष्पादक, विदेश प्रसारण सेवा प्रभाग आकाशवाणी, नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1976 को वार्धक्य आयु प्राप्त होने पर सेवा-निवृत्त हो गए।

प्रेम कुमार सिन्हा
प्रशासन उप निवेशक
हृते महानिवेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय
(फिल्म प्रभाग)

बम्बई-26, दिनांक 16 नवम्बर 1976

सं० 45/पी० एफ०/48-सिवन्दी-I—निवृत्तिक आयु होने के कारण श्री टी० आर० मनोक स्थायी मुख्य रिकॉर्डस्ट फिल्म प्रभाग नयी दिल्ली, दिनांक 1-11-1976 के पूर्वाह्न से निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 18 नवम्बर 1976

सं० 2/2/63-सिवन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने, श्री पी० व्ही० राव स्थानापन्न विक्रेता, फिल्म प्रभाग नागपुर को दिनांक 8-11-1976 के पूर्वाह्न से श्री पी० दास गुप्ता स्थायी शाखा प्रबन्धक की बदली कलकत्ता में होने के कारण उसी आफिस में स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

एम० के० जैन
प्रशासकीय अधिकारी
हृते प्रमुख निर्माता

बम्बई-26, दिनांक 20 नवम्बर 1976

सं० ए०-19012/76 - सिवन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री के० नारायणन को दिनांक 12-11-1976 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न सहायक संगीत निर्देशक के पद पर नियुक्त किया है।

एम० चन्द्रन नायर
सहायक प्रशासकीय अधिकारी
हृते प्रमुख निर्माता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 25 अक्टूबर 1976

सं० ए०-19012/11/76-स्थापना-1—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री एन० वी० पानीकर को 25 अगस्त, 1976 से अगले आदेश तक इस निदेशालय में अस्थायी रूप से वरिष्ठ कलाकार नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19012/13/76-स्थापना-1—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक ने इस निदेशालय के श्री तरसेम मिह, स्थानापन्न तकनीकी सहायक (सिल्क सकीन) को 25-9-1976 से अगले आदेश तक इसी निदेशालय में वरिष्ठ कलाकार के रूप में तदर्थ आशार पर अस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

आर० देवासर
उपनिदेशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1976

सं० ए० 12023/1/76 (एस० जे०) प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महा निदेशक ने 19 जुलाई, 1976 पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक श्री एस० एस० जौली को सफदर जंग अस्पताल, नई दिल्ली, के में डिक्कल रिकार्ड टैक्नीशियन प्रशिक्षण केन्द्र में कार्यभारी अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

भारतीय डाक-तार विभाग

कार्यालय निदेशक लेखा (डाक)

कपूरथला-144601, दिनांक 5 नवम्बर 1976

सूचना

सं० प्रशासन/अनुशासनात्मक/225—श्री राम लाल-II सुपुत्र हरदियाल, जो इस कार्यालय में चपड़ासी (गुप डी०) के पद पर था, 20-5-1976 से अनधिकृत गैरहजिरी पर था। विभागीय नियमों के अधीन अनुशासनात्मक कार्यवाही करते के उपरान्त उसे 19-10-1976 पूर्वाह्न से नौकरी से निकाल दिये जाने का निर्णय किया गया था और नौकरी से निकाले जाने का आदेश उसके दिये हुए पत्तों पर भेजा गया था। चूंकि वे रजिस्ट्रेशन लिफाफे, जिन में उक्त कर्मचारी के नौकरी से निकाले जाने का आदेश था और जो उसके दिये हुए पत्तों पर भेजे गये थे, बिना वितरण के वापिस आ गये हैं। इसलिए यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री राम लाल-II सुपुत्र हरदियाल को 19-10-1976 पूर्वाह्न से नौकरी से हटाया गया है।

रमेश भंडारी
निदेशक लेखा (डाक)

परमाणु ऊर्जा विभाग

ऋग्र एवं भंडार निदेशालय

वम्बई-400 001, दिनांक 2 नवम्बर 1976

सं० डी० वी० एस०/ए०/32011/3/76-स्थापना-15512—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋग्र एवं भंडार निदेशालय के निदेशक, इस निदेशालय की दिनांक 3 अगस्त, 1976 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में निदेशालय के अस्थायी ऋग्र सहायक श्री जेवाले शंकर गणपतराव को इसी निदेशालय में रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 1 नवम्बर, 1976 के अपराह्न तक की ओर अवधि के लिए सहायक ऋग्र अधिकारी नियुक्त करते हैं।

वी० जी० कुलकर्णी
सहायक कार्मिक अधिकारी

सिविल इंजीनियरिंग ग्रुप

कलपक्कम-603102, दिनांक 5 नवम्बर 1976

सं० सी० ई० जी०/1 (6)/76-प्रशासन—कलपक्कम में परमाणु ऊर्जा विभाग की परियोजनाओं के मुख्य इंजीनियर (सिविल) निम्नलिखित पांच अस्थायी पर्यवेक्षकों को 1 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक कलपक्कम स्थित सिविल इंजीनियरी भूप में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

1. श्री आर० श्रीनिवासन
2. श्री एस० आर० जयरामन
3. श्री बी० कृष्णमूर्ती
4. श्री बी० जी० भागिया
5. श्री पी० एस० रेड्डी

वी० एस० बैंकटेश्वरन
प्रशासन व लेखा अधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपक्कम-603 102, दिनांक 9 नवम्बर 1976

सं० 18 (69)/76-भर्ती-पी० 22870—विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, अस्थायी पर्यवेक्षक (विद्युत) श्री सी० बैंकटरामन को 1 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक इसी परियोजना में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

के० बालकृष्णन
प्रशासन अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

वम्बई-400 008, दिनांक 20 नवम्बर 1976

सं० 05052/76/7813—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेषकार्य अधिकारी, श्री नागार्जुन वात्स्यायन, अस्थायी

वैज्ञानिक सहायक 'सी' भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) को, उसी परियोजना में अगस्त, 1, 1976 पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से स्थानापन्थ वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी (येड—एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/76-ई०/7814—भारी पानी परियोजनाओं के विशेषकार्य अधिकारी, श्री नारायण लाकुरदास मिरानी अस्थायी पर्यवेक्षक (वास्तु), भारी पानी परियोजना (कोटा) को, उसी परियोजना में अगस्त 1, 1976 पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से स्थानापन्थ वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी (येड—एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मन्त्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 20 नवम्बर 1976

सं० ई० (1) 06680—वैधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक कृषि मौसम विज्ञान, पूना के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री आर० सी० दूबे को 8-11-1976 के पूर्वाह्न से 4-2-1977 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्थ सहायक कौसल विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री दूबे स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी, निदेशक, कृषि मौसम विज्ञान, पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04348—वैधशालाओं के महानिदेशक, वैधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री डॉ आर० मलिक को 5-11-1976 के पूर्वाह्न से 1-2-1977 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री मलिक, स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी वैधशालाओं के महानिदेशक, नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04296—वैधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रावेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री आर० एन० सेन को 8-11-1976 के पूर्वाह्न से 4-2-1977 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री आर० एन० सेन, स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 24 नवम्बर 1976

सं० ई० (1) 04224—निदेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई कार्यालय के अधीन मौसम कार्यालय, अहमदाबाद में स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी श्री एस० एन० सेन निवर्तन 2—36जी०आई०/76

की आगु पर पहुंचने पर 31 अगस्त 1976 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

एम० आर० एन० मणिधन

मौसम विज्ञानी

कृते वैधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1976

सं० ए-32014/1/76-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित संचार सहायकों को नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में उनके नामों के सामने दिखाई गई तारीखों से तथा अगले आदेश होने तक स्थानापन्थ सहायक संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :—

क्रम संख्या	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती स्थेशन
1.	श्री के० राजगोपालन	29-10-1976 (पूर्वाह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई।
2.	श्री एम० पी० कुलकर्णी	30-10-1976 (पूर्वाह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई।

सं० ए-38012/1/75-ई० सी०—प्रधानाचार्य, नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, बमरौली, इलाहाबाद के श्री एच० एल० धीमन, तकनीकी अधिकारी ने निवर्तन आगु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 30 सितम्बर, 1976 (अपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

हरबंस लाल कोहली
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर, 1976

सं० ए-32013/7/76-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री एस० वेंकास्वामी को, जोकि इस समय नागर विमानन विभाग में तदर्दश आधार पर निदेशक उपस्कर के पद पर हैं, 28 अक्टूबर, 1976 से तथा अगले आदेश होने तक, उसी पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

प्रेम चन्द जैन
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर 1976

सं० 1/188/76-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा अधीक्षक, श्री एन० वी० पद्मनाभन को ग्रल्पकालिक खाली जगह पर 13-9-1976 से 30-10-1976 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए आर्द्धी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णास्वामी,
प्रशासन अधिकारी,
हृते महानिदेशक।

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय

[पटना, दिनांक 3 नवम्बर 1976]

सं० 11 (7) 5-स्था/75/10219—श्री एच० के० मित्रा, स्थानापन्न सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना दिनांक 31-5-76 को अपराह्न में सेवा निवृत्ति की आयु पूरी कर सेवा निवृत्त हुए।

सं० 11 (7) 5-स्था/75/10220—श्री सी० डी० साह, स्थानापन्न सहायक समाहर्ता (कनिष्ठ वेतनमान) केन्द्रीय उत्पाद प्रमंडल कार्यालय धनबाद को इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 180/76 दिनांक 16-6-1976 के जरिए अधीक्षक श्रेणी 'ए' के रूप में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (मुख्यालय) कार्यालय पटना में स्थानान्तरित किया गया था। श्री साह दिनांक 30-6-1976 को अपराह्न में स्थापना आदेश सं० 227/76 दिनांक 14-8-1976 के अनुसार सेवा निवृत्ति पूर्व छूटटी पर गए और 31-8-1976 को अपराह्न में सेवा निवृत्ति की आयु पूरी करके सेवा निवृत्त हुए।

ए० डिसूजा
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क पटना।

निरीक्षण निदेशालय

सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1976

सं० 18/76—श्री ए० सरत दास गुप्ता ने, जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, कलकत्ता में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, ग्रुप बी, के रूप में काम कर रहे थे, निरीक्षण निदेशालय, सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, के कलकत्ता स्थित पूर्वी प्रादेशिक यूनिट में दिनांक 8-11-1976 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी, (सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप बी का कार्यभार सम्भाल लिया है।

सु० बैंकटरामन
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय राजस्व नियन्त्रण प्रयोगशाला

नई दिल्ली-110012, दिनांक 12 नवम्बर 1976

सं० 3/1976[सं० नं० 146-एडम/76 (पर)]—स्थानांकित होने पर श्री एम० एस० भारद्वाज, प्रशासन अधिकारी, सीमा शुल्क तथा उत्पादन शुल्क, पटियाला ने दिनांक 31 अक्टूबर, 1976 (श्र०) में केन्द्रीय राजस्व नियन्त्रण प्रयोगशाला, नई दिल्ली-12 में उसी क्षमता से कार्यभार सम्भाल लिया है।

वे० सा० रामनाथन
मुख्य रसायनज फेन्ड्रीय राजस्व

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 20 नवम्बर, 1976

सं० ए 19012/606/76-प्रशा० 5—ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, अपने प्रसाद से श्री आर० जनार्दन बाबू, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अनुसन्धान अधिकारी/सहायक इंजीनियर के रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 23 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश नहीं होते, पूर्णतः ग्रस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री आर० जनार्दन बाबू ने केन्द्रीय जल आयोग में उपर्युक्त तारीख तथा समय से अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अनुसन्धान अधिकारी/सहायक इंजीनियर के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 22 नवम्बर 1976

सं० 19012/587/76-प्रशा० 5—ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री बैंकटरामन, पर्यवेक्षक को स्थानापन्न रूप में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता के पदक्रम में केन्द्रीय जल आयोग में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतः ग्रस्थाई एवं तदर्थ रूप में नियुक्त किया है जो दिनांक 21 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से जब तक कि आगामी आदेश न हो, प्रभावी होगा।

श्री बैंकटरामन ने उपर्युक्त दिनांक तथा समय से केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अभियन्ता के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

जसवंत सिंह
अवर सचिव
हृते ग्रध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1976

सं० 27-इ/जी (51)/71-ई० सी० II—श्री जे० पी० गोयल, कार्यपालक इंजीनियर, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली, मौलिक नियम 56 (जे) के अधीन तीन महीने के सेवा निवृत्ति नोटिस की समाप्ति पर सरकारी सेवा से 11-9-76 (अपराह्न) से सेवा निवृत्ति होंगे।

पी० एस० पारवानी,
उप निदेशक,
कृते मुख इंजीनियर।

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर, 1976

सं० 27-एस/आर (4)/69-ई० सी०-2—राष्ट्रपति, दिल्ली केन्द्रीय परिमधल-1 के० लो० नि० विभाग, नई दिल्ली के अधीक्षक इंजीनियर श्री एस० रंगराजन का सेवा से त्यागपत्र कार्यभार मुक्ति की तारीख से स्वीकार करते हैं।

पी० एस० पारवानी
प्रशासन उप-निदेशक
कृते प्रमुख इंजीनियर

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर, 1976

सं० 6/2/76-प्रशासन-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, एतद्वारा श्री वी० जे० रेडी, तकनीकी सहायक को, केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक अभियन्ता के ग्रेड में 18-10-76 अपराह्न से, अन्य आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र लाल हान्डा
प्रब्रर सचिव

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 नवम्बर, 1976

सं० 6/21/76-प्रशासन-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा, श्री कालिका प्रसाद, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी श्रेणी 2 सेवा में अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक अभियन्ता के ग्रेड में 21-9-76 पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

पी० एम० सिराजुद्दीन,
प्रब्रर सचिव।

सवारी डिव्हा कारखाना
महाप्रबन्धक का कार्कीलय
कार्मिक शाखा/शैल

मद्रास-38, दिनांक 20 नवम्बर, 1976

सं० का० शा०/रा० सा०/७/विविध ॥—श्री आर० राजगोपालन, स्थानापन्न सहायक इंजीनियर/निर्माण (श्रेणी II) को जिन्हें केन्द्रीय चौकसी आयोग में उनके ग्रेड के बेतन विषय बेतन रु० 75/- प्रति महीने पर सहायक तकनीकी परीक्षक (सिविल) के रूप में नियुक्त करने के लिए प्रति नियुक्त किया गया है, 6-10-76 के अपराह्न को भारमुक्त किया गया है।

श्री आर० राममूर्ति, स्थानापन्न निर्माण निरीक्षक/सामान्य (श्रेणी) को 7-10-1976 को सहायक इंजीनियर/निर्माण (श्रेणी II) के पद पर स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया है।

श्री पी० के० मुंशी, सहायक निदेशक (धातु निरीक्षक)/II (श्रेणी II) ने अनुसन्धान अभिकल्प और मानक संगठन/लखनऊ से स्थानान्तरण पाकर 8-10-1976 के पूर्वाह्न को भर्ता रिपोर्ट पेश की और डा० डा० पी० के० कृष्णामूर्ती के स्थान पर, जो अनुसन्धान अभिकरण और मानक संगठन को स्थानान्तरित हुए हैं, स्थानापन्न रसायनज्ञ और धातुकर्मी (वरिष्ठ बेतनमान) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

श्री आर० जानकीरामन, स्थानापन्न अधीक्षक (हिन्दी अनुभाग) (श्रेणी III) को जो दक्षिण रेलवे से स्थानान्तरण पाकर आये हैं, 18-10-76 को स्थानापन्न रूप से पदोन्नत करके सहायक हिन्दी अधिकारी के पद पर तैनात किया गया है।

श्री वी० छिल्लो बाबू, स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी/आरक्षण (श्रेणी I) को 20-10-1976 के अपराह्न को भारमुक्त किया गया ताकि वे दक्षिण रेलवे को अपने वर्तमान बेतनमान में हुए स्थानान्तरण के आदेश का पालन कर सकें।

श्री सी० शंकरन, कल्याण निरीक्षक/सामान्य (श्रेणी III) को 20-10-1976 के अपराह्न को श्रेणी II सेवा में कल्याण अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया है।

एस० वेंकटरामन,
उप मुख्य कार्मिक अधिकारी
कृते महाप्रबन्धक

दक्षिण मध्य रेलवे

सिकन्दराबाद, दिनांक 19 नवम्बर, 1976

सं० पी० (गजट) 185/लेखा—इस रेलवे के भारतीय रेल लेखा सेवा के एक कनिष्ठ बेतनामन अधिकारी (परिवीक्षाधीन) श्री पी० एस० सूर्यनारायण ने रेल सेवा से त्यागपत्र दे दिया। राष्ट्रपति की स्वीकृति से नोटिस अवधि और प्रशिक्षण की सागत को माफ करते हुए उनके त्यागपत्र को दिनांक 5-7-1976 से स्वीकार किया गया है।

(प्राधिकार : रेलवे बोर्ड का पत्र सं० 76 ई (जी० आर) II/10/5 दिनांक 18/10/76)

के० एस० राजन,
महाप्रबन्धक।

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मणी चिट फंड्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 9/18 नवम्बर, 1976

सं० 3533/डी०एन०/560(5)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मणी चिट फंड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्रीराम स्क्रु एंड मेटल इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 9/18 नवम्बर, 1976

सं० 3654/डी०एन०/560(5)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि श्री राम स्क्रु एंड मेटल इंडस्ट्रीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रविकुमार रोड वेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 11/18 नवम्बर 1976

सं० 4917/डी०एन०/560(5)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि रविकुमार रोडवेज लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गणेश फंड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 22 नवम्बर, 1976

सं० 809/डी०एन०/560/(3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर गणेश फंड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और किलूर टी० प्लाटेषन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 22 नवम्बर, 1976

सं० 1167/डी०एन०/560(3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर किलूर टी० प्लाटेषन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पाकिन्गस एंड एक्सेसरीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 22 नवम्बर, 1976

सं० 5472/डी०एन०/560(3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 960 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पाकिन्गस एंड एक्सेसरीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लक्ष्मी आटो साईकिल लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 22 नवम्बर, 1976

सं० 5515/डी०एन०/560(3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लक्ष्मी आटो साईकिल लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और राजेंद्रन रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 22 नवम्बर, 1976

सं० 5594/5560(3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर राजेंद्रन रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और राजामणी चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 22 नवम्बर, 1976

सं० 5634/डी०एन०/560(3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में

एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर राजमणी चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और भेकम इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 22 नवम्बर, 1976

सं० 5655/डी० एन०/560(3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर भेकम इंजीनीर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया क्यों रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और होमियो एंड बयो कंपनी लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 22 नवम्बर, 1976

सं० 5760/डी० एन०/560 (3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर होमियो एंड बयो कंपनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्रीयास एलक्ट्रीकल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 22 नवम्बर, 1976

सं० 5895/डी० एन०/560 (3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्रीयास एलक्ट्रीकल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० भास्कर राव
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

मद्रास-600006, दिनांक 20 नवम्बर, 1976

सं० 3391/लिक्विड/एस० 560 (4)/76—यतः कूनूर टाकीस प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय ज्ञामरोतिलैया, हजारीबाग, कोडरमा में है, का समाप्त किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विष्वास करने का युक्तियुक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक द्वारा कार्य नहीं कर रहा है

और यह कि लेखा-विवरणियों से समापक द्वारा दिए जाने के लिए अपेक्षित है, यह छः अम्बवता मास के लिए नहीं हो गई है, अतः जब कम्पनी अधिनियम 1956 (1956) का / की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर कूनूर टाकीस प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० अम्बापुर्णा
कम्पनियों का उप रजिस्ट्रार
मद्रास

कम्पनी अधिनियम 1956 और एन० जी० कूसीन्गो एंड मातूआर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड।

कटक दिनांक 2 नवम्बर, 1976

सं० 183/76-3480 (2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एन० जी० कूसीन्गो एंड मान्मार मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सम्बलपुर फेंडस सीमेंट इन्टर प्राइवेट प्राइवेट लिमिटेड।

कटक, दिनांक 2 नवम्बर, 1976

सं० 552/76 3481 (2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सम्बलपुर फेंडस सीमेंट इन्टर प्राइवेट प्राइवेट लिमिटेड के नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सी० आर० दास
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
उडीसा

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और मै० सिने एंड टी० व्ही० इक्वीपमेंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर, 1976

सं० 14976/लिक्विडेशन—सिविल अर्जी सं० 444 आफ 1975 में बम्बई में स्थित उच्चन्यायालय के तारीख 16-6-76 के आदेश द्वारा मै० सिने एंड टी० व्ही० इक्वीपमेंट प्राइवेट लिमिटेड का परिसमाप्त करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और युनिक इंजीनियरिंग वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 15 नवम्बर 1976

सं० 12640/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर युनिक इंजीनियरिंग वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ओसेसड पेपर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 18 नवम्बर 1976

सं० 14283/560 (3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ओसेसड पेपर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सेयर इंजीनियरिंग इक्वीपमेंट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर, 1976

सं० 16664/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सेयर इंजीनियरिंग इक्वीपमेंट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवाणी
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम 1956 और नारायन गन्ज कं० प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक, 19 नवम्बर, 1976

सं० 1507/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना

दी जाती है कि नारायन गन्ज कं० प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और चिटाम कं० प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक, 19 नवम्बर, 1976

सं० 1538/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि चिटाम कं० प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और रेडिकेल ईन सिवरेन्स कं० लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 19 नवम्बर 1976

सं० 6897/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि रेडिकेल ईन सिवरेन्स कं० लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० सी० नाथ

कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सैरेनिक्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर, 1976

सं० 3023/21167—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सैरेनिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एम० एम० एस० जैन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
दिल्ली एवं हरियाणा

प्रलूप श्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 नवम्बर, 1976

निवेश नं० 632-181/76-77—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जू़ा कि अनुसूची में है तथा जो खाता पर में स्थित
है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च,
1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्लिन के लिए अन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, तय पाया
गया निम्नलिखित उद्देश्य से उद्दत अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
प्रमुखरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' भी धारा 269-घ की
उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, प्रार्थतः—

1. श्री बलदेव सिंह, रणजीत सिंह सुपुत्र श्री सुबेदार किरपा
सिंह सुपुत्र श्री श्याम सिंह, निवासी छ्वाशपुर, पोलीस स्टेशन,
सद्र होशियारपुर। (अन्तरक)

2. श्री अमरजीत सिंह सुपुत्र श्री नसीब सिंह सुपुत्र श्री इन्द्र
सिंह, निवासी—कुराली, तहसील—जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह ध्यवित, जिसके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4288 मार्च 1976
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 22-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुष्ट (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बंबई

बंबई, दिनांक 20 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० आई० /111/1118/जून 76—अतः मुझे,
श्री एम० जे० माथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा
गया है), की धारा

269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि तथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी
सं० प्लाट सं० 151, एस नं० 161(अंश) है तथा जो विलेज
पहाड़ी, गोरेगांव (प्र०) में स्थित है (और इसके उपावन्द्र अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय
उप रजिस्ट्रार कार्यालय, बंबई ता० 22-6-76 में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 जून,
1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिपत्ति के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
वरने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्ति से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्ति का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
हय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रमेश प्रसाद मल, अस्पताल रास्ता, जामनगर, गुजरात
(अन्तरक)

2. अनुबंध 'क' के अनुसार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितरणों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में 'हितबद्ध'
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो प्लाट नं०
151 है और मौजा-पहाड़ी, गोरेगांव (पश्चिम), तालुका-ओरेवली,
रजिस्ट्री उप-जिला बांद्रा, जिला बंबई उप नगर, अब बहुत बंबई^{में}
मौजूद पड़ा हुआ है, जिसका सर्वे नं० 161 (भाग) और माप
829.83 वर्गमील या उसके आसपास है जो 693.84 मीटर
के लगभग बराबर है और इस प्रकार से घिरा हुआ है कि—पश्चिम
की ओर प्लाट नं० 152, उत्तर की ओर ए-नामक 50 फीट चौड़ी
सड़क, पूर्व की ओर ए-2 नामक 50 फीट चौड़ी सड़क और दक्षिण
की ओर प्लाट नं० 150 है।

एम० जे० माथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, बंबई

तारीख: 20 नवम्बर, 1976

भोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 15 नवम्बर 1976

निर्देश सं० सी० ए० ५/धोड़/पूना/मई/76/311/76-77—
यतः मुझे, व्ही० एस० गायत्रोडे
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० गट नं० 1180 है तथा जो पाटस में स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दौड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-5-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात् :—
3—366 जी०आई०/76 △

1. (1) श्रीमती कमल शांताराम देशपांडे
(2) कुमारी थाया शांताराम देशपांडे
(3) कुमारी निर्मला शांताराम देशपांडे
(4) कुमारी शैला शांताराम देशपांडे, अज्ञान पालनकर्ता
श्रीमती कमल शांताराम देशपांडे, पाटस ता० दौड़ जिला पूना।
(अन्तरक)

2. (1) श्री सीताराम नाभदेवराव बावले
(2) श्री विनायक नाभदेवराव बावले
(3) श्री एस० आर० बावले
(4) श्री अंकुश आर० बावले
(5) श्री बाजीराव एन० बावले, अज्ञान पालनकर्ता
श्री एन० जी० बावले पाटस, तालुका दौड़, जिला पूना। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यविधियों पर
सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाष में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यविधियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्थित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन गट नं० 1180, पाटस, तालुका दौड़, जिला
पूना, क्षेत्रफल 7 हेक्टर, 36 आर० (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
क्रमांक 471 दिनांक 24-5-76 को सबरजिस्ट्रार, दौड़, पूना
के कार्यालय में लिखा है।)

व्ही० एस० गायत्रोडे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 15-11-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 494/ए० सी० क्य० 23-885/14-6/75-76
अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० सं० नं० 1990/53/1 है तथा जो स्थास्तीक
को० आ० हाउसिंग सोसायटी के पास माल गोडाउन रोड़, केहसाला
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेहसाना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-3-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आमत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती आई जीवीबेन, जीवराम धनजीभाई की
विधवा।

- (2) पटेल कचराभाई मोतीदास
- (3) पटेल रामभाई चेलदास
- (4) पटेल केशवराम अभयाराम
- (5) पटेल बबलदास छगनदास
- (6) पटेल कांजीभाई लालभाई
- (7) पटेल अम्बालाल लल्ल भाई
- (8) पंजाबी सुवरनलाल ठाकुरदास मेहसाना, जिला
मेहसाना। (अन्तरक)

2. मौ० बालोल नगर को० आ० हाउसिंग सोसायटी लि०
प्रमुख : जोईताराम नाथुभाई, मार्फत : जयन्त कलोथ सेन्टर, राज-
महल रोड़, मेहसाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पारिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन, जिसका सं० नं० 1990/53/1 कुल माप 1 एकड़
24 गुणा अर्थात् 7744 वर्ग गज है तथा जो स्थास्तीक को० आ०
हाउसिंग सोसायटी के पास, माल गोडाउन रोड़, मेहसाना में स्थित
है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मेहसाना के मार्च 1976 के
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1428 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद
दिनांक 19-11-1976
मोहर :

प्रूफ आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8-11-1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77/751-
अतः, मी०, बी० के० सिन्हा आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपार्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-6-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री इकबाल हसन खां पुत्र श्री जहूर खां द्वारा श्री एम० रजा खां, एच० 5, ईदगाह हिल्स, भोपाल। (अन्तरक)

2. एस० एस० अग्रवाल पुत्र श्री राम किशन अग्रवाल निवासी मकान नं० 5, ईदगाह हिल्स, भोपाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 5, खसरा नं० 97, ईदगाह हिल्स, भोपाल।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-11-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 नवम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी०/भोपाल/76-77/752—
अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० न्लाट है, जो हन्दौर में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हन्दौर में रजिस्ट्रीफ्लॉट अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-6-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कुलदीप सिंह भाटिया पुत्र श्री सरदार कर्तार सिंह भाटिया निवासी ए० 11, खाती बाला टैक, इन्दौर। (अन्तरक)

2. डा० वीरेन्द्र पाल सिंह भाटिया पुत्र श्री कुलदीप सिंह भाटिया निवासी ए० 11, खाती बाला टैक, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट नं० 28, वीर सांवरकर कालौनी, भंवर कुम्हा रोड, इन्दौर।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 8-11-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 नवम्बर 1976

निवेश सं० आई० ए० सी० एस्वी०/भोपाल/76-77/753-
प्रतः, मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन 23-6-76

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथा पूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती निर्मला दबे परन्ती श्री विश्व प्रसाद दबे निवासी
1008 नेपियर टाउन, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. (i) कुंवर अंशु जैन
(ii) कुमारी भीनाक्षी जैन

(iii) कुमारी भावना जैन सभी पुल/पुत्री श्री कुंवर
दिग्विजय सिंह जैन द्वारा प्राकृतिक संरक्षक श्रीमती सुमन जैन
माता (iv) श्री प्रमोद कुमार जैन निवासी 17, पालसीकर
कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के घर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 4, प्लाट नं० 8 व 9 की सामूहिक विकास योजना
स्थित पलासिया II-बी, इन्दौर।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-11-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77/759—
अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11 मई, 1976 को पूर्णोष्ठ संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ताहिर अली पुत्र श्री कमरुद्दीन बहिरा निवासी 20, महारानी रोड, इन्दौर। (अन्तरक)

2. (i) श्री ओम प्रकाश

(ii) श्री कमल कुमार दोनों पुत्र श्री गौरधन लाल अग्रवाल, निवासी 53 पारसी मोहल्ला, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमूसूची

प्लाट न्यूक नं० 129 स्थित जावरा कम्पाउन्ड, इन्दौर।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-11-1976

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी०/भोपाल/76-77/760-
अतः मुझे, वी० के० सिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि प्लाट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 31-5-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्थास्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269 घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की भारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्री भीमदेव राव भागवत
(ii) श्रीमती कुमुदनी बाई पत्नी श्री भीमदेव राव
भागवत ।

(iii) श्री किरन कुमार
(iv) कुमारी गुरुबाला सभी पुत्र/पुत्री श्री भीमदेव
राव भागवत सभी निवासी 12, मीरा पथ, पार्क रोड, इन्दौर
(अन्तरक)

2. (i) श्री अश्विनी कुमार

(ii) श्री मुकेश कुमार दोनों पुत्र श्री रसिक लाल
निवासी 44, बड़ा सर्फा, इन्दौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक भूमि का भाग स्थित प्लाट नं० 19, मीरापथ (सीताबाग)
पार्क रोड, इन्दौर ।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-11-1976

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस०—

1. श्री अनिल कुमार पुत्र श्री पुरुषोत्तम दास निवासी घाट रोड, इन्दौर।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री मथुरा प्रसाद जी पुत्र श्री बलभद्र दास राठी निवासी 254, घाट रोड, इन्दौर।
(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 17 नवम्बर 1976

निर्देश सं० प्राई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/761-
यतः मुझे, बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है,

और जिसकी सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपावदृ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 31-5-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी दूष या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की आया 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति हारा, अद्वैताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

उपष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 254, लबरिया शेरु रोड, (घाट रोड), इन्दौर।

बी० के० सिन्हा
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-11-1976

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1976

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्य०/भोपाल/76-77/762-
यतः मुझे वी० के० सिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आधा प्लाट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-5-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे कृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4—366 GI/76

1. श्री शरद चन्द्र पुत्र श्री हीरा लाल जी वर्मा द्वारा पावर आफ एटार्नी डा० रतन चन्द्र पुत्र श्री हीरा लाल वर्मा निवासी 120, इन्दौर, इन्दौर (अन्तरक)

2. (i) श्री नानक राम
(ii) श्री मोती लाल दोनों पुत्र श्री सुन्दर दास निवासी 158, पालसीकर कालोनी, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदूद्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा भाग प्लाट नं० 5, स्थित पालसीकर कालोनी, इन्दौर।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीखः 17-11-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1976

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77/763—
ग्रतः, मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-6-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय व्यापा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अब्दुल रसूल पुत्र श्री गुलाम अली निवासी 585/3, एम० जी० रोड़, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री शमशूहीन पुत्र श्री अबदेल्ली निवासी डा० करीम अली की दूकान के सामने, पाटनी बाजार, उज्जैन। (अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

लक्ष्यकारण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुला प्लाट नं० बी०-1, प्लाट नं० 585/3, का हिस्सा, एम० जी० रोड़, तुकीगंज, इन्दौर।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-11-1976

मोहर:

प्रूफ आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 नवम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एकबी०/भोपाल/76-77/764-
अतः, मुझे, थी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो मन्दसौर में स्थित है (ग्रीष्मे इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में अंगित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मन्दसौर में रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-6-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कमलाबाई पनी श्री समराठमल परवाल, निवासी मल्हार गढ़, जिला मन्दसौर। (अन्तरक)

2. श्री खेमचन्द्र पुत्र श्री राजमल जैन निवासी 13/2, नई आबादी, मन्दसौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंगम के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शास्त्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सेदार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया था।

अनुसूची

एक मकान स्थित प्लाट नं० 511, स्कीम नं० 1, म्यूनिसिपल नं० 13/2, नई आबादी रोड नं० 5, मानकदेव मार्ग, लाईन नं० 4, मन्दसौर।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 17-11-1976

मोहर :

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०—

1. कुमारी सज्जानी जार्ज (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 नवम्बर 1976

निवेश सं० 82/एम० ए० आर०/75-76—यतः, मुझे, जी०
रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8/2बी है, जो सेम्हु गांव, सेलम में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, एकाउं (पत्र सं० 41/76) में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-3-76
को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की
उपशारा(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

2. श्रीमती पी० सन्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, ही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एकाउं, सेम्हु गांव एस० सं० 8/2बी में 36.06 एकड़ खेती की
भूमि में आदा भाग (अधिक भाग) और आदी।

जी० रामनाथन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 17-11-1976

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. मद्रास सेवा संघन (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

2. श्री एम० एस० एम० सुलदान मरैकार (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यथि कोई भी आक्षेप—

मद्रास, विनांक 26 नवम्बर 1976

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यविधियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यविधियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में उक्ताशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निवेश सं० 15/एप्रैल/76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है') की धारा 269व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी

प्लाट सं० "बी", सं० 57/58 है, जो हारिटन रोड, चेटपेट, मद्रास-31 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० वेस्ट मद्रास (डाकमैन्ट सं० 496/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 6) के अधीन 16 अप्रैल, 76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

प्लाट सं० "बी", सं० 57/58, हारिटन रोड, चेटपेट, मद्रास 31, एस० सं० 609, आर० एस० सं० 359/7 में 2 ग्रोन्ड 619 स्कोयर फुट का गाली भूमि।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जी० रामनाथन
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मद्रास रेंज-I मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

दिनांक: 26 नवम्बर 1976।

मोहर:

प्रस्तुप प्राइंटी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, मद्रास

मद्रास, विनांक 26 नवम्बर 1976

निदेश सं० 16/एप्रैल/76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० "ए" सं० 57/58 है, जो हारिन्डन रोड,
चेटपेट, मद्रास-31 में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुभूष्ठी
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
एस० आर० ओ० वेस्ट, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अप्रैल, 76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में बमी करने या उससे वधने में सुविधा
के सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. मद्रास सेवा सदन (अन्तरक)

2. श्रीमती हेष० कमरुमिसा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के प्राप्त
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० "ए", सं० 57/58, हारिन्डन रोड, चेटपेट, मद्रास-
31, एस० सं० 609, आर० एस० सं० 359/7, में 2 ग्रान्ड 619
स्कोयर फुट का गालि भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

तारीख : 26 नवम्बर 1976।

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 नवम्बर 1976

निदेश सं० 24/एप्रैल/76—यतः, मुझे जी० रामनाथन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे सं० 349/1, 349/3, 350/1, व 346
है, जो पट्ट ग्राम, गुडियातम तालुक नार्त, आकल्ड डिस्ट्रिक्ट में
स्थित है (और इससे उपान्द अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० श्रो० गुडिया-
तम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
के अधीन 16 एप्रैल, 76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे
अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यक्रम में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

प्रतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जनाब के० एम० श्वित्तला साहिब (अन्तरक)

2. श्री ए० सी० लगानात मुडलियार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 349/1, 349/3, 350/1, और 346 में पट्ट
ग्राम, गुडियातम तालुक में खेती की भूमि 3 एकड़ 78 सेंट और
शेरना, मोटार पंप।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 26 नवम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 नवम्बर 1976

निवेश सं० 28/एप्रैल/76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 188/1, 191/1 व 2 हैं, जो नडुवनेरि प्राम, मगुडन्वावडि, नामकल तालुका में स्थित हैं (और इसमें उपांडद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० मगुडन्वावडि में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन 16 एप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्री रंग गोडर और तीन दूसरा (अन्तरक)

2. श्री सिता गोडर और दो दूसरा (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 188/1, 191/1, 191/2, नडुवनेरि प्राम, मगुडन्वावडि, नामकल तालुका में 3 एकड़ खेती का भूमि और एक झरना।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत 'ज्ञात अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

आतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 26-11-1976

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०

1. श्री चिन्मयन रामसामि गोड्डर और दो दूसरे (अन्तरक)

आधिकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 नवम्बर 1976

निदेश सं० 29/एप्रैल/76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 152/2, है, जो सेल्लपंडित ग्राम, मगुडन्चावडि, नामकल तालूका में स्थित है (और इससे उपावड़ अनु-
सूची में और पूर्ण स्पृष्ठ में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्य-
लय, एस० आर० श्रो० मगुडन्चावडि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 16 एप्रैल, 1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :—

5—366GI/76

2. श्री मुतु गोड्डर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमुसूची

सर्वे सं० 152/2, सेल्लपंडित ग्राम, मगुडन्चावडि नामकल
तालूका में 6 एकड़ 50 सेन्ट खेती का भूमि और 1/2 भाग ज्ञारना
और 5 एकड़ 50 पी० भोटार पंप सेट ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 26-11-1976

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 नवम्बर 1976

निदेश सं० 30/एप्रैल/76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सर्वे सं० 329 है, जो एडप्पाडि ग्राम, सन्करि तालुका सेलम डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० एडप्पाडि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 एप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रसिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० गोपाल कुसनन (अन्तरक)

2. श्री सि० मारिमुतु (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 329 एडप्पाडि ग्राम, सन्करि तालुका में 3 एकड़ 56 सेन्ट का खेती की भूमि और 3/4 भाग ज्ञाना।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 26-11-1976

मोहर :

प्ररूप ग्राही ० टी० एन० एस० —————

1. श्रीमती दनभागवतम् (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-१, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 नवम्बर 1976

निवेदण सं० 33/एरैल/76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 104/1 है, जो एडप्पाडि ग्राम, संकरि तालुका, सेलम डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० एस० एडप्पाडि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 एरैल, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, प्रवर्त्त :—

2. श्रीमती मुनियम्माल, कुण्डलम, सौन्दरप्र और विमय-लक्ष्मी। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आर० एस० सं० 104/1, एडप्पाडि ग्राम, संकरि तालुका सेलम डिस्ट्रिक्ट में 4 एकड़ 50 सेंट का खेति की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-१, मद्रास

तारीख : 26-11-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—————

1. श्री वि० आलसुरमनियन (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 नवम्बर 1976

निवेश सं० 33/मार्च/76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० घर सं० 62, है, जो दानप्प मुदलि अगरहारम, मदुरै टट्टन में स्थित है (ओर इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, अडिशनल एस० आर० ओ० मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मार्च, 1976 पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ओर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री एस० रामकृष्णन आर एस० मोहनसुन्दरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अद्य अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सं० 62, टी० एस० सं० 578 (नवी वार्ड सं० 24) दानप्प मुदलि अगरहारम, मदुरै में भूमि और घर 2700 स्कोयर फुट और जरता।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 26-11-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी० एन० एस०—

1. श्री के० अनन्द कुमार (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निवेश सं० 2922/75-76—यतः, मुझे, एस० राजरटनम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सैट सं० 12, वेंकटसामि रोड, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 1, कोयम्बतूर, (डाकूमेण्ट 751/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-3-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धर्यात्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

2. श्रीमती के० विसालाशि अम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाष में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, वेंकटसामि रोड में 8100 स्क्युयर फीट की भूमि जिसका टी० एस० सं० 296।

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 16-11-1976

मोहर:

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस०————

1. श्री जी० के० दामोदरन (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

2. सलीम अण्ड कंपनी (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निदेश सं० 2933/75-76—यतः, मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० उपिलिमालयम में 69 1/2 सेण्ट की भूमि (मकान के साथ) (एस० सं० 583) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय, सिंगानल्लूर (डाकूमेण्ट) 298/76 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-4-1976

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों पर्याप्त:—

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त अक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर तालुका, उपिलिमालयम में 69 1/2 सेण्ट की भूमि (मकान के साथ) जिसका एस सं० 583।

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-11-1976

मोद्दुर ।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ---

1. श्रीमती वल्लियम्माल (अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निदेश सं० 2938/75-76—यतः मुझे एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० डोर सं० 34, रामसामी घौण्डर स्ट्रीट, ईरोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऐ० एस० आर० I ईरोड (डाकूमेण्ट 811/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-3-1976 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथा पूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(2) श्रीमती बालसरस्वती (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ईरोड, वार्ड सं० 17, रामसामी घौण्डर स्ट्रीट डोर सं० 34, टी० एस० सं० 500/ए१ ए में मकान 1 (डाकूमेण्ट सं० 811)।

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 16-11-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निवेश सं० 5132/75-76—यतः मुझे, एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्मत अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5, प्लाट सं० 13 जी० (1/48 अभिन्न भाग) (शाप सं० 11) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकमोर्ट 347/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनमार्य अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० तिरुनातकरमु; एम० आनन्दन और गोविन्दस्वामी)

(अन्तरक) (2) श्री एस० एम० सालिमा नाचिया

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5, प्लाट सं० 13 जी (1/48 अभिन्न भाग) और शाप सं० 11।

एस० राजरत्नम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-11-1976

मोहर :

प्रस्तुति
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, विनांक 16 नवम्बर 1976

निदेश सं 5132/75-76—यतः मुझे, एस० राजरतनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं ० मद्रास, ग्रीम्स रोड, एल० ए० सं ० ९/१९७४, आर० एस० ४३/४-दुकान सं ० ८ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकुमेण्ट 348/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
6—366GI/76

(1) श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० तिरुनाउकरसु; एम० आनन्दन और गोविन्दस्वामी।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० एम० सुलताना सौफेया बगम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता है, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, एल० ए० सं ० ९/७४, प्लाट सं ० १३ जी० में दुकान सं ० ८ (आर० एस० सं ० ४३/४)

एस० राजरतनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-11-1976

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 अ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निदेश सं० 5132/75-76—यतः मुझे, एस० राजरत्ननम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 अ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मद्रास, भीम्स रोड, एल० ए० 9/74 प्लाट सं० 13 जी० में दुकान सं० 7 (आर० एस०-43/4) में स्थित है (प्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (3 डाकुमेण्ट 349/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, मार्च 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत्ति, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० निरुनातम्करमु; एम० आनन्दम और गोविलदस्वामी

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एम० सुलतान फाजल मोहम्मद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास-6, भीम्स रोड, एल० ए० 9/74, प्लाट सं० 13 जी० में दुकान सं० 7 (आर० एस० 43/4) ।

एस० राजरत्ननम्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजेन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-11-76

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी ई। एन। एस। —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की आरा 269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भ्रजन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

मिवेश सं० 5132/75-76—यतः मुझे, एस० राजरत्नम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, एल० ए० 9/74, प्लाट
सं० 13 जी० में दुकान सं० 10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकमोण्ट 350/76) में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख
मार्च 1976

को पृथक्षेत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापृथक्षेत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया
गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे अन्तरण में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य अस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की आरा 269-घ की उपषारा
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

(1) श्री एम० मुरुगेस नायकर; एम० तिरुमाऊकरसु;
एम० आनन्दन और गोविन्दस्वामी।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एम० सुल्तान फिजी मोहमद (प्रलयस्क)
(श्री एस० एम० मीस्कीन के द्वारा)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यगाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्रष्टोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यविधि पर
सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के अन्तर
पूर्वोक्त व्यविधियों में से किसी व्यवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के अन्तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोत्साहिती
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-6; ग्रीम्स रोड, एल० ए० सं० 9/74, प्लाट सं०
13 जी० में दुकान सं० 10 (प्रार० एस० सं० 43/4)।

एस० राजरत्नम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
भ्रजन रेज-II, मद्रास

तारीख : 16-11-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती सरला श्रीदरेन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती डी० मनदेवन्मनि के० रेनुका।

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निदेश सं० 5138/75-76—यतः मुझे, एस० राजरतनम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सधम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास, मन्दबेलिपाक्कम, रामकृष्णना नगर प्लाट सं० 11 में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास, (दक्षिण) (डाकुमेण्ट 212/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-3-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-व की घपड़ारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवक्तुः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, मन्दबेलिपाक्कम, रामकृष्णना नगर प्लाट सं० 11 में 3 ग्रजुण्ड और 1369 स्क्यूयर फीट की खाली भूमि (आर० एस० सं० 4253/3)।

एस० राजरतनम्
सधम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 16-11-1976
मोहर।

प्रहृष्ट आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निदेश सं० 5155/75-76—यतः मुझे, एस० राजरत्नम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा, 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० मद्रास, ग्रीम्स रोड, एल० ए० सं० 9/74, प्लाट सं० 9 बी० (आर० एस० सं० 43/4) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास 17 (डाकुमेण्ट 275/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० मुरुगेस नायकर, श्री एम० निहनाउक्करसु; श्री एम० आनन्दन और श्री टी० गोविन्दस्वामी।

(अन्तरक)

(2) लोकवानी हाल मार्क प्रेस प्राइवेट लिमिटेड।

(प्रत्यक्षित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, ग्रीम्स रोड, एल० ए० 9/74, प्लाट सं० 9 बी० (आर० एस० सं० 43/4) में एक ग्राउण्ड और 2396 स्क्युर फीट की भूमि ((शेड के साथ))।

एस० राजरत्नम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-11-1976

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

निदेश सं० 5156/75-76—यतः मुझे, एस० राजरतनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०डोर सं० 5 प्लाट 13 फी०, ग्रीम्स रोड, मद्रास (बूसरा फ्लोर) में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास, (डाकुमेण्ट 277/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या सम्पत्ति अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपद्वारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अविस्तरों, अवतु :—

(1) श्री टी० गोविन्दस्वामी, और श्रीमती जी० सुदूर लालम।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० पी० चोककलिगम, श्री वी० पी० अप्पुचि, श्री वी० पी० बीट्टल राज; श्री वी० परिमला, एन० सरस्वति; ए० कमला कुमारी ; ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सर्वांगी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, ग्रीम्स रोड, के डोर सं० 5 फ्लाट सं० 13 फी० में बूसरा फ्लोर (आर० एस० सं० 43/4) और खाली भूमि में 1/4 अमिस्त स्वार्थ।

एस० राजरतनम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II मद्रास

तारीख : 16-11-1976

मोहर :

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनाक 16 नवम्बर 1976

निवेश सं० 5156/75-76—यतः, मुझे, एस० राजरतनम, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी

सं० डोर सं० 5, प्लाट 13 डी, भीम्स रोड, मद्रास (पहला फ्लोर) में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर मद्रास (आकुमेण्ट 278/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख भार्च 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्यु-सरण में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टी० गोविन्दस्वामी और श्रीमती जी० सुन्दर लिमि।

(अन्तरक)

(2) श्री शी० पी० वासुदेवन; श्री वी० पी० नारायण; श्री वी० पी० आरमुद्धम; श्री वी० पी० वीट्टुलराज; श्रीमती वी० सी० माला; और ए० ताराबाय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितशब्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त मब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, भीम्स रोड, डोर सं० 5, प्लाट सं० 13 डी० में पहला फ्लोर (आर० एस० 43/4) और खाली भूमि में 1/4 अभिन्न स्वार्थ।

एस० राजरतनम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 16-11-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निदेश सं० 5158/75-76—यतः मुझे, एस० राजरतनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० 83, हबिबुल्ला रोड, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकुमेण्ट 311/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-3-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० बाबू नायडु और श्रीमती एम० सत्यवति अम्माल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० बनलक्ष्मि अम्माल और श्री एम० कोट्टीस्वरन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-17, हबिबुल्ला रोड, डोर सं० 83 में 2 ग्राउण्ड और 1234 स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के साथ) (जिसका टी० एस० सं० 8063 आर० एस०-30)।

एस० राजरतनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-11-76

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० ——

(1) ट्रस्टिस, रकमनिवाय रूपचन्द्र द्रूस्ट ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निदेश सं० 5165/75-76—यतः, मुझे, एस० राजरतनम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० मद्रास, ट्रिप्पिकेन, वालाजा रोड, डोर सं० 86 (110/345, अंश) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्पिकेन, मद्रास (डाकमेण्ट 124/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-3-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-366 जी आई०/76

(2) किशिनचन्द्र चेल्लाराम (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या उत्तमबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

उपबोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास, ट्रिप्पिकेन, वालाजा रोड, डोर सं० 86 में 110/345 अंश ।

एस० राजरतनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-11-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) डॉक्टर टी० एस० महालिकंम और श्रीमती टी० एस० राजलक्ष्मी।

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) वी० जी० पी० इनवेस्टिमेण्ट्स।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निदेश सं० 5169/75-76—यतः, मुझे, एस० राजरत्नम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' भवा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 142, पलवाकम गांव, सर्वे सं० 1/1 ए० 2 ए० में 2 एकड़ की भूमि में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०, मद्रास नार्थ डाकुमेण्ट 1162/76 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1976 का

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपद्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० 142, पलवाकम गांव, सर्वे सं० 1/1 ए० 2 ए० में 2 एकड़ की भूमि।

एस० राजरत्नम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीखः 16-11-76

मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निदेश सं० 5179/75-76—यतः मुझे एस० राजरतनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास, ग्रीम्स रोड, आर० एस० 43/4; प्लाट सं० 13 जी० में अपार्टमेण्ट सं० 5 (314 स्कुयर फीट) में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर मद्रास (डाकुमेण्ट 293/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्ठ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, प्रश्नात् :—

(1) श्री एम० मुखोस नायकर, श्री एम० तिळनाउकरसु; श्री एम० आनन्दन और श्री टी० गोविन्दस्वामी।
(अन्तरक)

(2) श्री मकेशलाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, ग्रीम्स रोड, आर० एस० 43/4; प्लाट सं० 13 जी० में अपार्टमेण्ट सं० 5(314 स्कुयर फीट) और 2 ग्राउण्ड और 539 स्कुयर फीट में 1/48 अभिन्न भाग।

एस० राजरतनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-11-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निदेश सं० 5179/75-76—यतः मुझे, एस० राजरतनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास, ग्रीम्स रोड, आर० एस०-43/4; प्लाट 13 जी० में अपार्टमेण्ट सं० 2 (310 स्क्युयर फीट) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (आकुमेण्ट 291/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० मुरुगेस नायकर; श्री एम० तिरुनाउक्करमु; श्री एम० आनन्दन और श्री टी० गोयवन्दस्वामी।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, ग्रीम्स रोड, आर० एस० 43/4; प्लाट सं० 13 जी० में अपार्टमेण्ट सं० 2(310 स्क्युयर फीट) और 2 ग्राउण्ड और 539 स्क्युयर फीट में 1/48 अभिन्न भाग।

एस० राजरतनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-11-76

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निवेश सं० 5179/75-76—यतः, मुझे, एस० राजरत्नम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 खे के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मद्रास, ग्रीम्स रोड, प्लाट 13 जी० (आर० एस० 43/4) में अपार्टमेण्ट सं० 3 में स्थित है (और इससे इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकुमेण्ट 292/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री एम० मुरोगे नायकर, श्री एम० निरुनात्करतरसु; श्री एम० आनन्दन और श्री टी० गोविन्दस्थामी।

(अन्तरक)

(2) श्री कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, ग्रीम्स रोड, आर० एस० 43/4; प्लाट सं० 13 जी० में अपार्टमेण्ट सं० 3 (314 स्कुयर फीट) और 2 ग्राउण्ड और 539 स्कुयर फीट में 1/48 अभिष्ठ भाग।

एस० राजरत्नम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-11-76

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री एस० पत्मनाथन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री टी० के० नरसिंहन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1976

निदेश सं० 5182/75-76—यतः, मुझे, एस० राजरत्नम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट सं० 12, सुब्बराय अव्याय अवन्यु, मद्रास-18 में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर, मद्रास (डाकमेण्ट 392/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-3-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-18, सुब्बराय अव्याय अवन्यु, प्लाट सं० 12 (आर० एस० सं० 3667/1) में 2 ग्राउण्ड (निकट) की खाली भूमि (कुआं के साथ)।

एस० राजरत्नम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-, मद्रास

तारीख: 16-11-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

(1) एम० मुरुगेस नायकर एण्ड तीन श्रद्धा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती के० ए० फनिमा गनी

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 नवम्बर 1976

दिदेश सं० 5179/75-76—यतः मुझे, एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 2, डोर सं० 5, ग्रीम्स रोड, मद्रास में 1/5 भाग (ग्राउण्ड फ्लॉर के साथ) में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नागर, मद्रास 17 (डाकुमेण्ट 285/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारी आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथं होगा, जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

मद्रास, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5, प्लाट सं० 2, 4 ग्राउण्ड
और 940 स्क्युर फीट में 1/5 भाग (ग्राउण्ड फ्लॉर के साथ)

एस० राजरत्नम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 22-11-76

मोहर;

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —

(1) एम० मुरुगेस नायकर एण्ड तीन अदर्से

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 नवम्बर 1976

निवेश सं० 5179/75-76—यतः मुझे, एस० राजरतनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट सं० 2, ग्रोर सं० 5, ग्रीम्स रोड, मद्रास में 1/5 भाग (पहला फ्लोर के साथ) में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास-17, (डाकुमेण्ट सं० 286/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्रीमती एस० एच० मुमताज बेगम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के रापजत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के रापजत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-6, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5, प्लाट सं० 2, 4 ग्राउण्ड और 940 स्क्युयर फीट में 1/5 भाग (पहला फ्लोर)।

एस० राजरतनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 22-11-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

(1) मुस्तेस नायकर एण्ड अदर्स।

(अन्तरक).

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 नवम्बर 1976

निवेदन सं० 5179/75-76—यतः मुझे, एस० राजरतनम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास, डोर सं० 5, ग्रीम्स रोड, प्लाट सं० 13 जी० में अपार्टमेण्ट सं० 6 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकुमेण्ट 288/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से वर्थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8-366 जी आई०/76△

(2) श्री उतम चन्द

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, वे भी उक्त पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितरुद्धि विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-6, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5, प्लाट सं० 13 जी० में "अपार्टमेण्ट" सं० 6 और 2 ग्राउण्ड और 53.0 स्क्युयर फीट में 1/48 भाग।

एस० राजरतनम्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 22-11-76

मोहर:

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री मुरुगेस नायकर एण्ड अदर्से ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जगदीश ।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 नवम्बर 1976

निदेश सं० 5179/75-76—यतः मुझे, एस० राजरत्ननम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास, डोर सं० 5, ग्रीम्स रोड, प्लाट सं० 130 जी० में अपार्टमेण्ट सं० 4 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकुमेण्ट 289/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1976

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिये स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दृई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-नार्थ अस्तरित इरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, इपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त व्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-6, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5, प्लाट सं० 13 जी० में "अपार्टमेण्ट" सं० 4 और 2 ग्राउण्ड और 530 स्क्युर फीट में 1/48 भाग।

एस० राजरत्ननम्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 22-11-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री मुरोेस नायकर एण्ड अदर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 नवम्बर 1976

निदेश सं० 5179/75-76—यतः मुझे, एस० राजरतनम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० मद्रास, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5, प्लाट सं० 13
जी० में अपार्टमेंट सं० 1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
ली० नगर, मद्रास (डाकुमेण्ट सं० 290/76) में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च

1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुभरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—

(2) श्री प्रकाश । (अम्भरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मद्रास-6, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5, प्लाट सं० 13 जी० में
"अपार्टमेण्ट" सं० 1 (मकान-314 स्कुयर फीट (लगभग)
और 2 ग्राउण्ड और 530 स्कुयर फीट भूमि में 1/48 भाग।

एस० राजरतनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 22-11-76

मोहर :

प्रलूप श्री० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर, 1976

निदेश : सं० अर्जन/169-ए/केराना/76-77/2080—अतः
मुझे, विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार हैं तथा जो अनुसूची के अनु-
सार में स्थित है (और इससे उपांच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 15-5-76 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं विद्या गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थतः—

1. श्री राजेन्द्र कुमार मुख्तार श्रीमति रामेश्वरी देवी (स्वर्य)
(2) श्री विजय कुमार गुप्ता (3) श्री भूषण्ड्र कुमार गुप्ता मुख्तार
श्री कमलेश कुमार पुत्र खेम राज निं० शामली, मुजफ्फरनगर।
(अन्तरक)

2. श्री सुन्दर लाल (वालिंग) श्री सुशील कुमार (नावालिंग)
पुत्रगण श्री बृज लाल निवासी शामली, जिं० मुजफ्फरनगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभासित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अन्तर्वल सम्पत्ति दुकान वाकै बड़ा बाजार कलां, शामली जिं०
मुजफ्फरनगर, 21,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-11-76

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर, 1976

निदेश नं० उपर्जन/168ए/कैराना/76-77/2081—अतः
मुझे, विजय भार्गव

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु
से अधिक है

और जिसकी मूल्य के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैराना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15-5-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह
प्रतिहत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उद्दत अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बावत, उवत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरकों के दायित्व में कभी घरने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री राजेंद्र कुमार मुख्तार श्रीमति रामेश्वरी देवी (स्वर्यं)
(2) श्री विजय कुमार गुप्ता (3) श्री भूषेंद्र कुमार गुप्ता मुख्तार
श्री कमलेश कुमार पुत्र श्री खेम राज निवासी शामली जिला
मुजफ्फरनगर।

2. श्रीमति रोशनी पत्नि श्री चमन लाल खतरी निवासी
शामली जिला मुजफ्फरनगर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति दुकान वाके बड़ा बाजार कलां, शामली जिला
मुजफ्फरनगर 21,000 रु मूल्य में हस्तांतरित की गई है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 10-11-76

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

श्रावकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1976

निदेश सं० अर्जन/167/कैराना/76-77/2082—अतः मुझे,
विजय भार्गवा श्रावकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैराना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

15-5-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री राजेंद्र कुमार मुख्यार श्रीमति रामेश्वरी देवी (स्वर्य) (2) श्री विजय कुमार गुप्ता, (3) श्री भूपेंद्र कुमार गुप्ता मुख्यार श्री कमलेश कुमार पुत्र श्री खेम राज निं० शामली जिला मुजफ्फरनगर।

2. (1) श्री कैलाश चन्द्र (2) श्री पिरथी सिंह पुत्र श्री बनारसी दास वैश्य निवासी शामली मौजा रेशमी कटेड़ा जिला मुजफ्फरनगर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी घ्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति दुकान रकमा 60 वर्ग मीटर वाकै बड़ा बाजार कलां शामली जिला मुजफ्फरनगर 22,500 रु० मूल्य में हस्तांतरित की गई है।

विजय भार्गवा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 10-11-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री हरिहर गोविंद बल्कूर रामरेट, सिर्सी (एन० के०)
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिसंबर 22 नवम्बर, 1976

निवेश सं० 152/76-77/ए०सी०क्य०—अतः मुझे,
पी० सत्यनारायण राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 118/20 (प्लाट नं०) है, जो सिर्सी (एन०
के०) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिर्सी डाकघूमेट
नंबर 933/75-76 के अंतर्गत 24-3-1976 के दिन में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वागतिक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अस: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री के० वासुदेव भट्ट मेनेजर, सिडिकेट बैंक हलिमाल
(एन० के०)।
(अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तन्तम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी घ्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मार्केट एरिया, सिर्सी में स्थित खुला जगह और मंगलूर टैटल
घर जिसके एस० नं० 118/20 (लाप्ट नं०) है जो पांच गुणे
विस्तीर्ण का है।

पी० सत्यनारायणराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़।

तारीख : 22 नवम्बर, 1976।
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज धारवाह का कार्यालय
धारवाह, दिनांक 22 नवम्बर, 1976

निदेश सं० 153/76-77/ए० सी० क्य०—यतः मुझे
पी० सत्यनारायणराव
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उष्टु अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सर्वे नं० 32/1, 32/3 है, जो मुंडगोड तालूक के साल-
गांव ग्राम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिर्फ़ डाक्यु-
मेंट नंबर 900/75-76 के अंतर्गत 9-3-1976 के दिन में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन:
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उष्टु
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपन्थारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री पांडुरंग रामकृष्ण पालेकर पोस्ट—मुंडगोड (एन० के०)
(अंतरक)।

2. श्री महेशपा फकीरपा कुसूर चिंगली मुंडगोड तालूक
एन० के०)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितरणों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितरणों में से
किसी व्यवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उष्टु स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुत शब्दों और पदों का, जो उष्टु
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही प्रथा होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

निम्नलिखित खेत जो मुंडगोड तालूक (एन० के०) के साल-
गांव ग्राम में स्थित हैं।

सर्वे नं०	क्षेत्र
	ए० गुं
32/1	1. 1
32/3	5. 16

पी० सत्यनारायणराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, धारवाह

तारीख 22-11-76।

मोहर;

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भारवाड़ का कार्यालय

भारवाड़, विनांक 22 नवम्बर 1976

निवेश सं० 154/76-77/ए० सी० क्य०—अतः मुझे
पी० सत्यनारायण राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० नं० 32/2 है, जो मुंडगोड तालूक (एन० के०) साल गांव ग्राम में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सिर्फ़ डाक्युमेंट नंबर 901/75-76 के अन्तर्गत 9-3-1976 के दिन में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19 ()

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः इव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9—366 GI/76

1. श्री पांडुरंग रामकृष्ण पालेकर मुंडगोड (एन० के०)
(अन्तरक)।

2. श्री पुंडलीक फकीरपा कुसूर चिगल्ली तालूक मुंडगोड (एन० के०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुंडगोड तालूक (एन० के०) के सालगांव ग्राम में स्थित खेत जिसका वितीर्ण 5 एकड़ और 12 गुठे है, जिसके सबै नं० 32/2 है।

पी० सत्यनारायणराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भारवाड़

तारीख : 22-11-76

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़ का कार्यालय

धारवाड, दिनांक 22 नवम्बर 1976

निदेश सं० 155/78-77/ए० सी० क्य०—यतः मुझे, पी०
सत्यनारायणराव

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी संख्या 116, 117, 120 है, जो शिमोगा जिले के अनु-
पिनकटे प्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिमोगा डाक्यु-
मेंट नंबर 3513 के अन्तर्गत 24-3-1976 के दिन में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन : 19 ()
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डी० अमर० नागराज जो इस, (2) श्री डी० एन०
श्रीपाद (3) श्री डी० एन० प्रकाश, (4) कुमार डी० एन०
शिवशंकर मंनर गार्डीनर श्री नागराज जोइस, पहला कास, जयनगर
विस्तरण, शिमोगा,
(अन्तरक)

2. श्री के० एस० बसपा, III कास, जयनगर विस्तरण
बसवनगुडी, शिमोगा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिचायित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

शिमोगा जिले में स्थित अनुपनिकटे ग्राम में स्थित खेत जिसके
विस्तीर्ण और संख्या नं इस प्रकार है :—

संख्या	विस्तीर्ण
120	ए० मु०
120	1-00
116	3-35
117	4-01
	2-33

पी० सत्यनारायणराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 22 नवम्बर 1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयवत (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, धारवाड़
धारवाड़, विनांक 22 नवम्बर 1976

निदेश सं० 156/76-77/ए० सी० क्य०—अतः मुझे, पी०
सत्यनारायण राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है और

जिसकी सं० नं० 119 और 120 है, जो अनुपिनकटे ग्राम, शिमोगा
जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमोगा डाक्युमेंट
नं० 3514 के अंतर्गत 24-3-1976 के दिन में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन :
19 () को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख
के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में
बारतीक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विर्त्ता आय का छाड़त उबत अधिनियम के अधीन करने वे अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे दृढ़ने वे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उबत अधिनियम, या
क्षेत्रकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनायां अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अस: अब, उबत अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डी० आर० नागराज जो इस (2) श्री डी० आर०
फीयाद (3) श्री डी० एन० प्रकाश (4) कुमार डी० एन०, शिव-
शंकर मैनर गार्डीनर श्री डी० आर० नागराज जो इस पहला कास,
जयनगर विस्तरण, शिमोगा
(अन्तरक)।

2. श्री के० एस० राजाशेखर अशोकनगर भद्रावती
(अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्गत के
लिए एतद्वारा कार्यवाहिकां शुरू करता हूँ।

उबत संपत्ति के अंतर्गत संबंध में ऐसी भी आवश्यकता :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि धारा
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उद्दत स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबत
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

शिमोगा जिले के अनुपिनकटे ग्राम में स्थित खत जिसके संबंध
नं० 119 (II.गु), 120—(II.गु) है।

6-11 3-31

पी० सत्यनारायण राव
सकम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 22 नवम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप० आई टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

1. श्री अमीरखान की पत्ती,
श्रीमति खुशबुर भाभा बी० एच० रोड, भद्रावती ।
(अंतरक)

2. श्री एन० नागप्पा माशरी वैकल स्टोर के मालिक बी० एच० रोड, पुराना भद्रावती ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, घारखाड़

घारखाड़, दिनांक 22 नवम्बर 1976

निर्वेश सं० 157/76-77/ए० सी० शू० :—असौ, मुझे
पी० सत्यनारायण राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ष के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी आर० एस० नं० 3, है, जो हुट्टा ग्राम, भद्रावती में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, भद्रावती डाक्युमेंट नं०
3047 के अंतर्गत 27-3-1976 के दिन में, भारतीय

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन :
19 () को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि धर्मापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अस्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आमत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असौ: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

भद्रावती में स्थित स्थिर आस्ती जिसके आर० एस० नं० 3 है ।

पी० सत्यनारायण राव
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, घारखाड़

दिनांक : 22 नवम्बर 1976

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
धारवाह, अर्जन रेंज धारवाह

धारवाह, दिनांक 22 नवम्बर 1976

निवेश सं० 158/76-77/ए० सी० क्य० —अतः मुझे
पी० सत्यनारायण राव

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु
से अधिक है,

और जिसका आर० एस नं० 3 है, जो भद्रावती में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, भद्रावती डाक्युमेंट नं० 3048 के अन्तर्गत
27-3-1976 के दिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 19 ()

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उच्चत अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ष) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उच्चत अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमीरखान की पत्नी श्रीमति खुश खुर भाभा, बी०
एच० रोड, भद्रावती,
(अन्तरक)
2. श्री जी० नारायण पेपर मिल के पास भद्रावती।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद् द्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाक्युमेंट नंबर 3048 में निरूपित स्थिर आस्ती।

पी० सत्यनारायण राव,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाह

दिनांक : 22 नवम्बर, 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 22 नवम्बर 1976

निदेश सं० 159/76-77/एसीक्य०/76 :—ग्रतः मुझे पी०
सत्यनारायण राव,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी आरा० एस० नं० 3 है, जो भद्रावती में स्थित है (आरा० इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय भद्रावती डाक्युमेंट नं० 3049 के अन्तर्गत 27-3-1976 के दिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ह्रुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर खेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थात् :—

2. श्री अमीरखान की पत्नी श्रीमति खुशखुर भासा, बी० एच० रोड, भद्रावती (अन्तरक)।

2. श्री एन० नागश्ना, मारुति सकैल, स्टोर के मालिक बी० एच० रोड, पुराना भद्रावती (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यालयों मुख करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाक्युमेंट नंबर 3049 में निरूपित स्थिर आस्ती।

पी० सत्यनारायण राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

दिनांक : 22-1976

मोहर :

प्रख्यात प्राईटी एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़
धारवाड़, दिनांक 24 नवम्बर 1976

निवेश सं० 160/76-77/ए० सी० दृ० :—अतः मुझे
पी० सत्यनारायण राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसका प्लाट नं० 19-ए, काकुलोंका 'ए' स्कीम है, जो पणजी
मुनिसिपालिटी के मीरामार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
ग्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, पणजी डाकघूमेंट नं० 200 के अन्तर्गत के दिन में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-3-1976 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्य-
मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और ग्रन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के ग्रन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहन श्रीधर सिनाई बोबो काकुलो और उसकी पत्नी
श्रीमति सुरेखा मोहन काकुलो (अन्तरक)।

(2) श्री पांडुरंग श्रीधर सिनाई काकुलो और उसकी पत्नी
श्रीमति मंगला पांडुरंग काकुलो (पणजी (गोवा)) के रहवासी।

2. श्री चंद्रकांत बाबल नाइक उर्फ कुण्ठ बाबल नाइक बेतिम
(गोवा)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिवर्तित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुलूपी

काकुलो 'ए' स्कीम का प्लाट नंबर 19-ए जिसका विस्तीर्ण
301 चदर मीटर है जो गोवा जिला, उप जिला इल्हास, तीसवाड़ी,
तालूक पणजी मुनिसिपल एरिया के मीरामार में स्थित है।

पी० सत्यनारायण राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़।

दिनांक : 24-11-1976

मोहर :

प्रूप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बारवाड़

धारवाह, दिनांक 24 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० 161/76-77/ए० सी० य०—अतः, मम
पी० सत्यनारायण राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी काकुलों 'ए' स्कीम का प्लाट नं० 2 है, जो पणजी
(गोवा) मुनिसिपालिटी के मीरामार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय पणजी (गोवा) डाक्युमेंट नंबर 194 के अंतर्गत
20-3-1976 के दिन

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धूश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके धूश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आव, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों धर्षतः—

1. श्री मोहन श्रीधर सिंह बोबो काकुलो और उसकी पत्नी
श्रीमति सुरेशा मोहन काकुलो,

2. श्री पांडुरंग श्रीधर सिंह बोबो काकुलो और उसकी
पत्नी श्रीमति मंगला पांडुरंग काकुलो पणजी (गोवा) के रहवासी
(अन्तरक)

2. श्री जर्मनो हरकुलानो फर्नांडीस सलवाड्डार-डो-मङ्गो
(बाईस) (गोवा)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवह
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकुलो 'ए' स्कीम का प्लाट नंबर दो जिसका विस्तीर्ण 481
चदर मीटर का है और जो जिला गोवा, उपजिला इल्हास, तालूक
तिस्थाड़ी, मुनिसिपालिटी पणजी के मीरामार में स्थित है।

पी० सत्यनारायण राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज बारवाड़

तारीख : 24-11-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज धारवाड़
धारवाड़ दिनांक 22 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० 162/76-77/ए० सी० व्य० :—अतः मुझे पी० सत्यनारायणराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी काकुली 'ए' स्कीम का प्लाट नंबर 17 है, जो पणजी (गोवा) मुनिसिपालिटी के मीरामार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय पणजी (गोवा) डाक्युमेंट नंबर 193 के अंतर्गत 20-3-1976 के दिन

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तु :—

10—366जी०आई०/76

1. श्री मोहन श्रीधर सिन्ह बोबो काकुलो और उसकी पत्नी श्रीमति सुरेखा मोहन काकुलो

(2) श्री पांडुरंग श्रीधर सिन्ह बोबो काकुलो और उसकी पत्नी श्रीमति मंगला पांडुरंग बाकुलो दण्डी (गोवा) के रहने सी (अन्तरक)

2. श्री कजेतान गोमस, मार्फत श्री आंकनेलो गोमस, बैरो पोस्टालो, सेंट एस्टेवम, इल्हास (गोवा) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

काकुलो 'ए' स्कीम का प्लाट नंबर 17 जो 348 चदर मीटर विस्तीर्ण का है, जो जिला गोवा, उप जिला इल्हास, तालुक तिवाड़ी, पणजी मुनिसिपालिटी के मीरामार में स्थित है।

पी० सत्यनारायण राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज धारवाड़

तारीख :— 24-11-1976

मोहर

आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 24 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० 163/76-77/ए० सी० क्य०—अतः मुझे पी०
सत्यनारायण राव

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 190/1/1—प्लाट नं० 9 है, जो तिलकवाड़ी, बेलगम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगम डाक्युमेंट नं० 3593 के अन्तर्गत 6-3-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ध्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामचन्द्र अम्बाजी पाटील कृषिक, तिलकवाड़ी, बेलगम (अन्तरक)

2. श्री विठ्ठलाचार्य सुबणाथाये घर नं० 1638, अनसूरकर गल्ली बेलगम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1 जिसके सी० एस० नं० 190/1/1 है, जिसमें घर भी है जो तिलकवाड़ी, बेलगम में स्थित है।

पी० सत्यनारायण राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज धारवाड़

तारीख : 24-11-1976

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ग
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 24 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० 164/76-77/ए० सी० क्य०—अतः मुझे पी०
सत्यनारायण राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सी० एस० नं० 190/1/1 का प्लाट नं० 9 है, जो तिलक-बाड़ी, बेलगम में स्थित है (और इससे उपार्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलगम डाक्युमेंट नं० 3617 के अन्तर्गत 8-3-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रामचन्द्र अन्ताजी पाटील कृषि, तिलकबाड़ी, बेलगम (अन्तरक)
2. श्री शिरीश बिठलाचार्य, घर नं० 1638, अनसूरकर गल्ली (अन्तरिती)

मौ यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20का में पर्याप्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिलकबाड़ी, बेलगम में स्थित घर, प्लाट नं० 9 जिसके सी० एस० नं० 190/1/1 है।

पी० सत्यनारायण राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज धारवाड़

दिनांक 24-11-1976।

मोहर :—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 25 नवम्बर, 1976

निवेश सं० 165/76-77/ए० सी० य० :—अतः मुझे पी० सत्यनारायण राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी लाठ० कंपाला निवास—सब्धी कालोनी के है, जो प्लाट नं० ए०-७ सांट इनेज (गोवा) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय पणजी (गोवा डाक्युमेंट नं० 162 के अन्तर्गत 5-3-1976 के दिन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रष्टातु:—

1. श्री जी० मेरियानी जुलियो पिटो डी० अबू
- (2) श्रीमति रोसलिना श्रोटिलिया मेरिलिंडा पिटो डी० अबू
- (3) श्रीमति बीट्रिज पिटो डी० अबू
- (4) श्रीमति सारा पिटो डी० अबू
- (5) श्री जार्ज अल्बर्टो डी० गोविया पिटो
- (6) श्रीमति अनामेरिया अल्बा ओलिंडा फेरिस डी० अबू
- (7) श्रीमति अनामेरिया डेलिक्ना बरटा
- (8) श्रीमति आंका नेटां अनामेरिया फेरीरा डी० अबू
इलहास, पणजी 'गोवा') के रहवासी (अन्तरक)

2. श्री मेटूस श्रोटो माक्सिमियानो गोन्साल्विस टोका, कारंज-लेम, इलहास (गोवा) के रहसवासी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध निसी अंग व्यक्ति द्वारा, अधिकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में दर्शाय-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थिर आस्ति जो डाक्युमेंट नंबर, 162 दिनांक 5-3-1976 में निरपित है।

पी० सत्यनारायण राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, धारवाड़

दिनांक 25-11-1976।

मोहर।

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धारवाड़, अर्जन रेंज धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 25 नवम्बर, 1976

निदेश सं० 166/76/ए० सी० वय० :—अतः मुझे पी० सत्य-
नारायण राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन रक्षण प्राधिकारी को यह विवास करने वा कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, दिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी ला कंपालानिवास-संबंधी कालोनी के हैं, जो प्लाट नं०
ए-6 सांटा इनेज (गोवा) में स्थित हैं (और इससे उपांबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
पणजी (गोवा) डाक्यूमेंट नं० 163 के अन्तर्गत 5-3-1976 के दिन
को पूर्वोदत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का फ़द्दह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्थित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विस्तीर्ण या धन या अन्य आरितियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्तात् :—

- (1) श्री जोस मेरियानो जूलियो पिटो डी० अबू
- (2) श्रीमति रोजालिया ओटिलिया भेर्लिङा पिटो डी० अबू
- (3) श्रीमती बीट्रीस पिटो डी० अबू
- (4) श्रीमती सारा पिटो डी० अबू
- (5) श्री जोर्ज ग्रेल्डो डी० गोविया पिटो
- (6) श्रीमति अनामेरिया ग्रेल्डा ओलिंडा फेरिरा डी० अबू
- (7) श्रीमती अनामेरिया डेलिफियाना वेट्टा
- (8) श्रीमति ब्रंका नेटा, अनामेरिया फरीरा डी० अबू
इल्सहास पणजी (गोवा) के रहवासी ।

(अन्तरक) ।

2 श्री पुंडलीक रघुनाथ चोदनकर टोंका, करक्कलेम, इल-
हास (गोवा) के रहवासी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयांतर्गत करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

स्थिर आस्ती जो डाक्यूमेंट नंबर 163 तारीख 5-3-1976
में वर्णित है ।

पी० सत्यनारायण राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़ ।

दिनांक 25-11-1976 ।

मोहर ।

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 नवम्बर 1976

स० सी० आर० न० 62/5881 (ए) / 75-76/ए० सी० क्य०
वी—यतः मुझे एम० हरिहरन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राक्षिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 52, और सं० न० 318 का सी-9 है, तथा जो
शिवलिल गांव, बुडुपि, तालूक, एस० के० जिला में स्थित है (और
इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुडुपि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 2-3-1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टी० कृष्णन् नायर पुब्र एन० नारायणन् नायर, मनि-
पाल बुडुपि तालूक, दक्षिण केनरा जिला (अन्तरक)

2. श्रीमती तारा डी० शट पत्नी देवराय भट नं० 52,
मुनिसिपल को-आपरेटरीव हौसिंग कालोनी, मनिपाल, बुडुपि तालूक,
एस० के० जिला (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1012/75-76 ता० 2-3-76)
सारा संपत्ति शिवली गांव का है। सं० न० 318 और क्षेत्र
20 सेंट मकान का क्षेत्र ग्रौँ फलोर 1790 स्कवेयर

फस्ट फ्लोर—672 स्कवेयर

2462 स्कवेयर

एम० हरिहरन
सक्षम प्राक्षिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 15-11-76

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 18 नवम्बर 1976

सं० सी० आर० नं० 62/5909/75-76/ए०सी० क्य००/वी०
—यतः मुझे एम० हरिहरन्,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं०मकान, है, तथा जो त्यागराजा रोड, सोमवार पेट, कूर्ग जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोमवार पेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 22-3-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० एस० राजशेकरप्पा पुत्र स्व० कडेल शन्तमलप्पा देम्पल रोड, सोमवार पेट कूर्ग जिला (अन्तरक)
2. श्री एस० एन० लक्ष्मीनारायन, पुत्र स्व० सीतारामम्म हन्गल गांव सोमवार पेट तालूक, कूर्ग जिला (अन्तरिती)

4. (1) बी० एम० मनोहर, लायर,
(2) एम० बी० तिम्मथ, अड्डोकेट
(3) सेक्रेटरी, सोमवार पेट कांग्रेस, पार्टी, और
(4) सेक्रेटरी, सोमवार पेट यूथ कांग्रेस
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीक्षित जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित जानता है कि वह सम्पत्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1310/75-76 ता० 22-3-76)

मकान, त्यागयणा रोड, सोमवार पेट, कूर्ग जिला

सारा सम्पत्ती—57' 79'+91'

————— 484589'

2

मकान का क्षेत्र—नीचे का—बागशह 18 स्क्वेयर (आर० सी० सी० का)

ऊपर का—बागशह 16 स्क्वेयर (मागलूर टैल का)

बांध :—

दक्षिण—त्यागराजा रोड

उत्तर—मरकेरा रोड

पश्चिम—मैर्सर्ज बी०पी० लक्ष्मसा और उन के बाकी लोगों के मकान का जगह का नं० 6 (सर्वे नं० 191/1) और

पूर्व—बाकी जगह का सट्टे नं० 190।

एम० हरिहरन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 18-11-1976।

मोहर :

प्रूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, वंगलूर

वंगलूर, दिनांक 17 नवम्बर 1976

सं० सी० आर० नं० 62/5918/75-76/ए० सी० क्य००/बी०
—यतः मुझे एम० हरिहरन्,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 250.00/- रुपए
से अधिक हैऔर जिसकी सं० काफी जमीन 22.50 एकड़स सर्वे नं० 16/2,
16/3, 18, 20, 1/2 और 1/3 है, तथा जो हड्डेमें गांव, सोमवार
पेट तलूक, कूरग जिला में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूपरें वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मरकेरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन ता० 30-3-1976 को।पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. श्रीमती कारोलीन् गोवियास् पत्नी स्व० बैंजमीन गोवियास्
काकी प्लाटर, इग्गोड्लु रासेट्ट इग्गोड्लु गांव गादापुर,
जून्टीकोप्पल, नाड, कूरगजिला (अन्तरक)2. श्रीमती हजील गोवियास् पत्नी आलवरट गोवियास्
इग्गोड्लु रासेट्ट इग्गोड्लु गांव गादापुर, जून्टीकोप्पल नाड,
कूरग जिला (अन्तरिक्षी)को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1106/75-76 ता० 30-3-76)

इग्गोड्लु का सारा संमती हड्डेमें गांव, सोमवार पेट तलूक
का उसका सर्वे नं०

1. 16/2	काफी	0-70 रोफर
2. 16/3	ग्रेसिंग जगह	11-98
3. 18	—	1-11
4. 20	—	3-61
5. 1/2	काफी	3-30
6. 1/3	—	1-80
		22-50

बांध:—

पूर्व—हड्डेमें गांव का सर्वे नं० 15/5 और 15/2

पश्चिम—इग्गोड्लु गांव का सर्वे नं० 108 और 1/1

दक्षिण—हड्डेमें गांव का सर्वे नं० 15/5 और 15/6

उत्तर—इग्गोड्लु गांव का सर्वे नं० 1/1

एम० हरिहरन्

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, वंगलूर

तारीख : 17-11-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 नवम्बर 1976

सं० सी० आर० मम्बर 62/5926/75-76/ए०सी० क्य००/बी

—यसः मुझे एम० हरिहरण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1610, 1610/1 और 1610/2 मुनिसिपल खाता नं० 2006, 2006/1, और 2006/2- सर्वे नं० 130 और 113/21 है, तथा जो डा० अंबेडकर रोड, बंगारपेट, कोलार जिला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगारपेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 3-3-1976 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यता उक्त अन्तरण लिखित में बारतीक रूप से व्यक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य सारित्यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों अथवा :—

11—366GI/76

1. श्री एस० ए० अजीज, पुत्र मीर मोहिदीन शेशाचलम् मोबलियार रोड बंगारपेट टौन, कोलार जिला (अन्तरक)

2. श्री (1) वि० के० मानिवयम् पुष्ट कोलिडि मौडर, नवा टौन, बंगार पेट, कोलार जिला

(2) श्रीमती जी० बनलाक्ष्मा, पत्नी श्री पला क्षप्ता बंगार पेट, कोलार जिला (अन्तरिती)

3. मैसर्जे स्टेट वेर होसिंग कारपोरेशन, बंगारपेट (वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकालियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभ्रान्ति हैं, अहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसन्धान

(दस्तवेज सं० 4727/75-76 ता० 3-3-1976)

113rd भाग मिल मकान, सारा संपत्ती का क्षेत्र 2 रोकट और 26 गुंटा, नं० 1610, 1610/1, और 1610/2 (मुनिसिपल खाता नं० 2006, 2006/1, 2006/2) सर्वे नं० 130 और 113/21, डा० अंबेडकर रोड, बंगारपेट टौन, कोलार जिला, और क्षेत्र 325'—315'

बाध :—

पूर्व—गनेश मिल

पश्चिम—श्री सहा साब का संपत्ती,

उत्तर—गंगाम पालय या डा० अंबेडकर रोड और

दक्षिण—श्री बी० एस०, साबुलिन साहेब का संपत्ती

एम० हरिहरन्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 15-11-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 23 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 360/एस्यूरे III/ 76-77/कल०—अतः मुझे,
एल० के० बालसुब्रमनियन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम', कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० 3 है तथा जो जमादार खान लेन, कलकत्ता स्थित
है (और इसके उपावद अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 1) अधीन, तारीख 8-5-1976
को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उच्चत अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उच्चत अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जयश्री मोहता 22, बेलमेररोड, कलकत्ता (अन्तरक)
2. श्री जयश्रीहाऊसिं कोओपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड 15,
इन्डिया प्लै एकेन्जस, कलकत्ता (अन्तरिती)
4. श्री खोन्दकर फजले सोभन (यह व्यक्ति जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उच्चत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 24 कट्टा 6 छटांक 20 स्को० फुट जमीन का समुच्चा
टाइटल या इनटारेस्ट जो 3, जमादार खामलेन, कलकत्ता पर
अवस्थित (उत्तर अंचल) के साथ इक्वमेन्ट राइट जो दलिल सं०
1861/1676 का अनुसार है जिसका रेजिस्ट्रेशन रेजिस्ट्रार अफ
एसुरेन्स का साथ हुआ।

एल० के० बालसुब्रमनियन
सक्षम प्राधिकरी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 54, रफीअहमद
किवर्ह रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 23-11-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 नवम्बर 1976

निद सं० 361/एकुरे /76-77/कलक—अतः मुश, एल०
के० बालसुब्रमनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० असे धिक है और

जिसकी सं० 3 है तथा जो जमादार खान लेन, कलकत्ता में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-5-
1976।

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुश्ये यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु० सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्ता:—

1. श्रीमती मन्जनी खौतान 4 कुद्दनस पार्क, कलकत्ता
(अन्तरक)

2. श्री जयश्री हाउसिं कोअपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड 15,
इंडिया एक्चेन्जस प्लेस, कलकत्ता (अन्तरिती)

4. श्री खोन्दकर फजल सामन (वह व्यक्ति जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षारी जानता है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के क्षयाय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस क्षयाय में
विद्या गया है।

अनुसूची

करीब 16 कट्टा 4 छटांक 80 स्को० फुट जमीन का समुच्चा
टाइटल या इनटारेस्ट जो 3 जमादार खान लेन, कलकत्ता पर अवस्थित
(दक्षिण अंचल) साथ इनमेंट राइट जो बलिल सं० 1862/
1976 का अनुसार है जिसका रेजिस्ट्रेशन रेजिस्ट्रार अफ एसुरेन्सेस
का साथ हुआ।

एल० के० बालसुब्रमनियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 54, रफीअहमद किंदवई
रोड, कलकत्ता-16

तारीख 23-11-1976
मोहर :

प्रूलप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 332/एकुर III/76-77/कल—अतः मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी और जिसकी सं० 3/1 है तथा जो जमादार खान लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-5-1976।
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में, कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिय;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री भन्जश्री खौतान 4 कुद्दनस पार्क, कलकत्ता,
2. जयश्री मोहता 22, बलमठप्रोड, कलकत्ता (अन्तरक)

2. जयश्री हाउस कोश्पारेटिव सोसाइटी लिमिटेड, 15, इन्डिया एकेन्ज प्लेस, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 3 कट्टा 11 छटाक 35 स्को० फुट जमीन साथ उस पर बनाया स्कायर जो० 3/1 जमादार खान लेन, कलकत्ता पर अवस्थित और जो रेजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स, कलकत्ता द्वारा रेजिस्ट्री-कृत दलिल सं० 1863/1986 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 54, रफीग्रहमद किदवर्ही रोड
कलकत्ता-16

दिनांक 23-11-1976
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 17th November 1976

No. P/1837-Admn.I.—Dr. V. S. Misra, formerly Reader, Education Department, Allahabad University who was earlier appointed as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission upto 30-11-1976 *vide* this office Notification of even No. dated 14-9-1976 has been allowed to continue in the said post upto 14-3-1979, or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 10th November 1976

No. A.32014/2/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint, under proviso to Rule 10 of the C.S.S. Rules, 1962, Shri M. P. Jain, a permanent Selection Grade Officer of the C.S.S.S. (Grade A of the C.S.S.S.) cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission for a period from 1-11-1976 (F.N.) to 28-2-1977 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADM. REFORMS)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 20th November 1976

No. R-15/72-AD-V.—Shri R. Jagannathan, Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, Bangalore relinquished charge of the office of Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation Bangalore Branch on the afternoon of 1-11-1976.

His services were placed at the disposal of the State Government of Karnataka.

The 20th November 1976

No. A-19021/5/76-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri R. Viswanathan, an IPS Officer from Karnataka Cadre as Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation (Special Police Establishment) with effect from the afternoon of 1-11-1976 on deputation basis until further orders.

P. S. NIGAM
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

New Delhi, the 25th October 1976

APPOINTMENT

No. A-11/37/76.—Shri B. S. Dayal, Inspector of Central Excise, Delhi is appointed to officiate as Enforcement Officer in the Delhi Zonal Office of this Directorate, with effect from 30-9-1976 (AN) and until further orders.

J. N. ARORA
Deputy Director (Admn.)

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 18th November 1976

No. 2/14/76-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri O. C. Raphael, a Divisional Engineer of the South Eastern Railway, as Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 5th November, 1976, until further orders.

The 24th November 1976

No 2/14/76-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. K. Verma an Executive Engineer of the Central Public Works Department, as Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 16th November, 1976, until further orders.

SHRI NIVAS
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 18th November 1976

No. O-II-12/73-Estt.—Consequent on his services having been placed at the disposal of the Cabinet Secretariat, Shri P. J. Joseph, an IPS officer of Orissa Cadre, relinquished charge of the post of Deputy Director (Ops.), Directorate General, CRPF, New Delhi on the afternoon of 31-10-1976.

The 21st November 1976

No. O.II-723/69-Estt(CRPF).—Consequent on his repatriation to Central Health Service, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) New Delhi, Dr. S. Vijaya Kumar, relinquished charge of the post of G.D.O. Gd. I, in the C.R.P.F. on the afternoon of 31st October, 1976.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Admn.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 15th November 1976

No. E-17017/674-GA-II.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Bag, Fire Officer, Alloy Steel Plant, Durgapur as Ex-officio Assistant Commandant, Central Industrial Security Force at Alloy Steel Plant, Durgapur with effect from 13-10-76 in terms of Sub-Section (1) of Section 4 of the CISF Act, 1968, until further orders.

L. S. BISHT
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 20th November 1976

No. 11/4/76-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri O. P. Sharma, Investigator in the office of the Registrar General, India, as Assistant Director of Census Operations (Technical), in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, on a purely temporary and *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 5th November 1976, upto 28th February, 1977 or until further orders, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Sharma will be at Lucknow.

No. 11/10/76-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. S. S. Jaiswal, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a period of one year with effect from the forenoon of 10th November, 1976.

The headquarters of Shri Jaiswal will be at Lucknow.

BADRI NATH
Deputy Registrar General, India and
ex-officio Deputy Secretary

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA**

Trivandrum, the 16th November 1976

No. Estt/Entt/VI/10-3/321.—Shri D. B. Kartha, Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Kerala retired from service on superannuation in the afternoon of 31st October, 1976.

H. M. S. BHATNAGAR
Accountant General

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS**

New Delhi-110022, the 19th November 1976

No. 18225/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri S. P. Khanna, Assistant Controller General of Defence Accounts will be transferred to Pension Establishment and struck off the strength of the Department with effect from 31-3-1977 (AN).

2. Shri S. P. Khanna, A.C.G.D.A. has been granted 120 days earned leave pending retirement from 2-12-76 to 31-3-77.

CORRIGENDUM

Notification bearing this office even No. dated 8-9-76 published in the Gazette of India, Part III, Section I, Page 8437 and the Hindi version on Page 8330 in respect of Shri Khanna, A.C.G.D.A., is hereby cancelled.

P. K. RAMANUJAM
Addl. Controller General of Defence Accounts
(AN)

New Delhi, the 16th November 1976

No. 40011 (2)/76-A.N.-A.—(1) The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Serial Number	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
	Sarvashri			
1.	Ajit Singh Sawhney (P/185)	Permanent Accounts Officer	28-2-77	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
2.	Man Mohan Singh (P/279)	Permanent Accounts Officer	28-2-77	Joint Controller of Defence Accounts (Funds) Meerut.
3.	M.G. Dhapare (P/393)	Permanent Accounts Officer	31-3-77	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.
4.	D. Ramamurthy (P/437)	Permanent Accounts Officer	30-4-77	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut (On deputation to NCC Directorate, Bhubaneswar).
5.	Y. Bhaskara Rao (P/574)	Permanent Accounts Officer	31-12-76	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
6.	Harbans Lal Gupta (P/595)	Permanent Accounts Officer	31-1-77	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
7.	V. Sivaramakrishnan (P/610)	Permanent Accounts Officer	30-4-77	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.
8.	A. C. Jain (P/613)	Permanent Accounts Officer	30-4-77	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
9.	J. C. Gulati (P/621)	Permanent Accounts Officer	31-3-77	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
10.	Pyare Lal Aggarwal (P/637)	Permanent Accounts Officer	31-1-77	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
11.	Labh Singh Oberoi (O/4-A)	Officiating Accounts Officer	31-3-77	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
12.	Roshan Lal Sharma (O/6)	Officiating Accounts Officer	31-1-77	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
13.	Raghbir Singh (O/317)	Officiating Accounts Officer	31-12-76	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.
14.	Anant Ram Khanna (O/389)	Officiating Accounts Officer	31-12-76	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
15.	P. S. Kochhar (O/400)	Officiating Accounts Officer	30-4-77	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
16.	R. N. Bhargava (NYA)	Officiating Accounts Officer	31-12-76	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.
17.	Dafedar Singh (NYA)	Officiating Accounts Officer	31-12-76	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.

(2) The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of the undermentioned Accounts Officers. They have been struck off the strength of the department with effect from the date shown against their name.

Serial Number	Name with Roster Number	Grade	Date of death	Struck off strength of the department	Organisation
Sarvashri 1. V. Sreeramamurthy (P/145)	.	Permanent Accounts Officer	1-10-76	2-10-76 (F.N.)	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
2. Dewan Chand Rampal (P/363)	.	Permanent Accounts Officer.	20-8-76	21-8-76 (F.N.)	Controller of Defence Accounts, Northern Command, Jammu.

(3) (a) All entries at Item 6 of this department notification bearing No. 40011 (2)/76/A.N.-A dated 11-8-76 relating to Shri Dewan Chand Rampal are hereby cancelled.

(b) The following is added as para (4) to this department notification bearing No. 40011(2)/76/A.N.-A dated 2-8-76 :—
“Shri A. K. Chatterjee, Permanent Accounts Officer has been granted I.P.R. for 90 days from 3-11-76 to 31-1-77.”

The 20th November 1976

No. 40011(1)/76/A.N.-A.—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned Permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in an Officiating Capacity with effect from the dates noted against each until further orders.

Serial Number	Name	Organisation where serving	Date
1	2	3	4
Sarvashri 1. S. P. Soni	.	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.	17-5-76 (F.N.)
2. Jag Mohan Lal Sharma	.	Controller of Defence Accounts Other Ranks)—North Meerut.	5-7-76 (F.N.)
3. Shyamal Deb	.	Controller of Defence Accounts, Patna.	22-7-76 (F.N.)
4. K. L. Makin	.	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.	30-6-76 (F.N.)
5. A. R. Chandrasekhara Raju	.	Controller of Defence Accounts (Other Ranks)—South Madras.	13-8-76 (F.N.)
6. P. K. Saigal	.	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.	31-7-76 (F.N.)
7. Sardari Lal Kukreja	.	Controller of Defence Accounts (Other Ranks)—North, Meerut.	20-8-76 (F.N.)
8. K. N. Malhotra	.	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.	29-7-76 (F.N.)
9. Kanshi Ram	.	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun.	16-9-76 (F.N.)
10. Umed Singh	.	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	12-8-76 (F.N.)
11. R. L. Bharadwaj	.	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	10-8-76 (F.N.)
12. Dafedar Singh	.	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.	2-8-76 (F.N.)
13. Madan Lal Sharma	.	Controller of Defence Accounts (Other Ranks)—North, Meerut.	4-9-76 (F.N.)
14. P. L. Sharma	.	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.	30-8-76 (F.N.)
15. C. R. Ganguly	.	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.	4-9-76 (F.N.)
16. Takhat Singh	.	Controller of Defence Accounts (Other Ranks)—North, Meerut.	7-8-76 (F.N.)
17. A. W. Godbole	.	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.	27-9-76 (F.N.)
18. G. L. Sarkar	.	Controller of Defence Accounts, Patna.	13-9-76 (F.N.)
19. V. S. Athavale	.	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.	1-9-76 (F.N.)
20. V. Swaminathan	.	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.	8-9-76 (F.N.)

(1)	(2)	(3)	(4)
21. M. R. Upadhye		Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.	2-9-76 (F.N.)
22. Bind Basini Prasad		Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.	1-10-76 (F.N.)
23. H. S. Hariharan		Controller of Defence Accounts (Navy), Bombay.	7-10-76 (F.N.)
24. V. A. Narayanaswamy		Controller of Defence Accounts (Other Ranks)—South Madras.	1-10-76 (F.N.)
25. S. Arunachalam		Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.	1-10-76 (F.N.)
26. Harichand Satisa		Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun.	4-10-76 (F.N.)
27. M. P. Sharma		Joint Controller of Defence Accounts (Funds), Meerut.	4-10-76 (F.N.)
28. G. L. Makashir		Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.	1-10-76 (F.N.)
29. N. V. Pandit		Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.	1-10-76 (F.N.)

S. V. SUBRAMANIAN
Dy. Controller General of Defence Accounts (A.N.)

MINISTRY OF LABOUR

LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 3rd December 1976

No. 23/3/76-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by Two points to reach 304 (Three hundred and Four) during the month of October, 1976. Converted to base : 1949=100 the index for the month of October, 1976 works out to 369 (Three hundred and sixty nine).

S. RAY
Dy. Director.

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay, the 5th August 1976

No. 10(1)/73-76/CLB.II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 4A of the Cotton Control Order, 1955, I hereby direct that no person holding 'A' Class Licence or 'B' Class Licence, other than the Cotton Corporation of India Limited, Bombay, shall, on or after the 21st day of August, 1976, keep in his possession, cotton in excess of the quantity equivalent to 50% of the quantity of cotton held by him on the 30th day of June, 1976 and which he is required to declare to the appropriate licensing authority under Clause 15 of the above said Order.

Provided that nothing in this notification shall apply to the manufacturer but the quantity of cotton that can be held by a manufacturer shall continue to be regulated by the Textile Commissioner's Notification No. 10(1)/73-74/CLB.II dated the 19th December, 1974.

R. P. KAPOOR
Textile Commissioner

DEPARTMENT OF SUPPLY
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF ACCOUNTS

New Delhi, the 25th October 1976

No. A-32014/75-77/Admn(CDN)/1381-82.—The Chief Controller of Accounts, Department of Supply, New Delhi

has appointed Shri K. K. Vasisth, Junior Accounts Officer of his Organisation to officiate as Accounts Officer in the Office of the Dy. Controller of Accounts, Department of Supply, Madras with effect from the afternoon of 24-8-76 until further orders.

His promotion is without prejudice to the rights and claims of his seniors in the panel.

This promotion is subject to the conditions laid down in the erstwhile Chief Pay & Accounts Officer's Organisation (Pay & Accounts Officer now Accounts Officer) Recruitment Rules, 1974.

JAI LAL
Dy. Controller of Accounts

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES &
DISPOSALS (A-1)

New Delhi-1, the 19th November 1976

No. A-1/1(82).—The President is pleased to appoint Shri P. P. Kapoor, Director of Supplies, Grade I of the Indian Supply Service, in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate ad-hoc basis as Deputy Director General in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 21st October, 1976 and until further orders.

The 22nd November 1976

No. A-1/1(1072).—Shri Hukam Singh, Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi relinquished charge of the office of Assistant Director (Grade II) with effect from the forenoon of 28th October, 1976 on his reversion to the non-gazetted post Junior Field Officer in the same Directorate General at New Delhi.

The 24th November 1976

No. A-1/1(1055).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri T. A. Ramabhadran, Supdt. (Supervisory level II) in the office of the Director of Inspection, Madras to officiate as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Directorate of Supplies & Disposals,

Madras with effect from the forenoon of 30.8.1976 vice
Shri A. Rajaram Rao and Until further orders.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 20th November 1976

(Administration Section A-1)

No. A-1/1(86).—The President is pleased to appoint Shri Ardaman Singh, Deputy Director, (Grade II of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on *ad-hoc* basis as Director, Service (Grade I of the Indian Supply) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 21st October 1976 and until further orders.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)

New Delhi, the 28th October 1976

(ADMN. Section A-6)

CORRIGENDUM

No. A-6/247(328)/II.—The following words may be deleted from this office Notification No. A6/247(328)/II dt. 24-5-76:—

"Examiner of Stores (Engg.) and Officinting"

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 15th November 1976

No. A-6/247(272)/60/II.—The President is pleased to appoint Shri N. B. Rao, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Inspecting Officer in grade III of the Indian Inspection service, Engg. Branch, Class I from the afternoon of the 23rd Sept. 1976 until further orders.

Shri N. B. Rao relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engg.) and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) from the afternoon of the 23rd Sept. 1976 at Kanpur Sub. Office under the N.I. Circle.

No. A-6/247(297)/60.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Sen Gupta, Asstt. Inspecting Officer in the Engg. Branch of Grade III of the Indian Inspection Service Class I from the forenoon of 27-9-76 until further orders.

Shri Sen Gupta relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engg.) and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) from 27-9-1976 in the office of the Director of Inspection Calcutta.

No. A-6/247(340)/61.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Mondal Asstt. Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Inspecting Officer in the Engg. Branch of Grade III of the Indian Inspection Service from the forenoon of 27-9-76 until further orders.

Shri Mondal relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engg.) and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) from 27-9-1976 in the office of the Director of Inspection Calcutta.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Administration)

12—366 GI/76

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 16th November 1976

No. E1-5158/1179-EM.—Shri Subhash Chandra Agarwal is appointed as Works Manager, Map Publication Directorate, Survey of India, Dehradun in the General Central Service, Group 'B' (Gazetted) against a temporary post in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200 with effect from 27th October, 1976 (FN) till further orders.

K. L. KHOSLA
Major-General
Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 4th November 1976

CORRIGENDUM

No. 12/8/75/Vig/SI.—Please read "Shri Mani Kumar Dong" instead of "Shri Mani Kumari Dong" appearing in second line of this Directorate Notification (English version) No. 12/8/75/Vig/SII dated 30-8-76.

S. V. SESADRI
Deputy Director of Admin.
for Director General

New Delhi, the 20th November 1976

No. 6(15)/63-SI.—Shri N. G. Majumdar, Programme Executive, All India Radio, Pune, retired from service voluntarily with effect from the afternoon of 31st October, 1976 under the provision of FR 56(K).

No. 5(101)/61-SI.—Shri S. R. Chatterjee, Programme Executive, External Services Division, All India Radio, New Delhi retired from service with effect from the afternoon of 30th September, 1976 on attaining the age of superannuation.

P. K. SINHA
Deputy Director of Administration
for Director General

FILMS DIVISION

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

Bombay-26, the 16th November 1976

No. 45/PF/48-Est.I.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri T. R. Madhok, Permanent Chief Recordist in the Films Division, New Delhi retired from Service with effect from the forenoon of the 1st Nov., 1976.

The 18th November 1976

No. 2/2/63-Est.I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri P. V. Rao, Offg. Salesman, Films Division, Nagpur to officiate as Branch Manager in the same office from the forenoon of 8-11-76 vice Shri P. Das Gupta. Pmtt. Branch Manager transferred to Calcutta.

M. K. JAIN
Administrative Officer
for Chief Producer

Bombay-26, the 20th November 1976

No. A-19012/2/76-Est.I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri K. Narayanan to officiate as Assistant Director of Music in the Films Division, Bombay, with effect from the forenoon of the 12th Nov., 1976, until further orders.

M. CHANDRAN NAIR
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICATIONS
CITY

New Delhi, the 25th October 1976

No. A.19012/11/76-Est.I.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoint Shri N. B. Paunikar as Senior Artist in this Directorate with effect from the forenoon of the 23rd August, 1976, until further orders.

No. A.18012/13/76-Est.I.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri Tarsem Singh, an officiating Junior Technical Assistant (Silk Screen) in this Dte. as Senior Artist in this Directorate with effect from the forenoon of the 25th September, 1976, on a purely *ad-hoc* basis until further orders.

R. DEVASAR
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 24th November 1976

No. A.12023/1/76(SJ)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. S. Jolly, in the post of Officer-in-Charge, Training Centre for Medical Records Technician at the Safdarjung Hospital, New Delhi, with effect from the forenoon of the 19th July, 1976, in a temporary capacity, and until further orders.

S. L. KUTHJALA
Deputy Director Administration

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF ACCOUNTS
(POSTAL)

Kapurthala, the 5th November 1976

O.O. No. Admn/Discip/225.—Shri Ram Lal II, S/O Shri Hardial, previously Peon (Group D), of this office had been on unauthorised absence since 20.5.76. After following the necessary disciplinary proceedings under the Departmental rules, it was decided to remove him from service w.e.f. 19.10.76 (F.N.) and the order of his removal from service was sent to him at his available addresses in the office. As the registered covers containing the order of removal of the official from service sent to him at his available addresses have been received back undelivered, it is hereby notified that Shri Ram Lal-II S/O Sh. Hardial stands removed from service w.e.f. 19.10.76 (F.N.).

RAMESH BHANDARI
Director of Accounts (Postal)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 2nd November 1976

No. DPS/A/32011/3/76/Est.15512.—In continuation of this Directorate notification of even number dated August 3, 1976, Director, Purchase and Stores, Department of Atom's Energy appoints Shri Jebale Shankar Ganpatrao, a temporary Purchase Assistant of this Directorate to officiate as an Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate for a further period up to November 1, 1976 (F.N.).

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

CIVIL ENGINEERING GROUP

Kalpakkam-603102, the 5th November 1976

No. CEG/1(6)/76-Adm.—Chief Engineer (Civil), Department of Atomic Energy Projects, Kalpakkam appoints the

following five temporary Supervisors as Scientific Officers/Engineers 'SB' in the Civil Engineering Group, Kalpakkam in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1976 until further orders:—

1. Shri R. Srinivasa
2. Shri S. R. Jayaraman
3. Shri B. Krishnamurthy
4. Shri B. G. Bhagia
5. Shri P. S. Reddy.

V. S. VENKATESWARAN
Administrative & Accounts Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603102, the 9th November 1976

No. 18(69)/76-Rectt.-P.22870.—Director, Power Projects Engineering Division appoints Shri C. Venkataraman, temporary Supervisor (Electrical) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in this Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1976 until further orders.

K. BALAKRISHNAN
Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 20th November 1976

No. 05052/76/7813.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Nagarjun Vatsyayan, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1976, until further orders.

No. 05052/76/E/7814.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Narain Thakurdas Merani, a temporary Supervisor (Civil) of Heavy Water Project (Kota), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1976, until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY
Senior Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 20th November 1976

No. E(I)06680.—The Director General of Observatories, hereby appoints Shri R. C. Dubey, Professional Assistant, Office of the Director, Agricultural Meteorology, Poona, as Assistant Meteorologist, in an officiating capacity for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 8-11-76 to 4-2-77.

Shri Dubey, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Agrimet, Poona.

No. E(I)04348.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri D. R. Malik, Prof. Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Eightynine days with effect from the forenoon of 5-11-76 to 1-2-76.

Shri Malik, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

The 23rd November 1976

No. E(I)04296.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. N. Sen, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi, as Assistant Meteorologist for a period of 89 days with effect from the forenoon of 8-11-1976 to 4-2-1977.

Shri R. N. Sen, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

The 24th November 1976

No. E(I)04224.—On attaining the age of superannuation, Shri S. N. Sen, Officiating Assistant Meteorologist, Meteorological Office, Ahmedabad, under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay, India Meteorological Department, retired from Govt. service with effect from the afternoon of 31st August 1976.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 15th November 1976

No. A.32014/1/76.FC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants as Assistant Communication Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department in an officiating capacity and until further orders with effect from the date shown against each :—

S. No., Name, Date from which appointed and Station to which posted :

1. Shri K. Rajagopalan, 29-10-1976 (FN), A.C.S., Bombay.
2. Shri M. P. Kulkarni, 30-10-76 (FN) A.C.S., Bombay.

No. A.38012/1/75-EC.—Shri H. L. Dhiman, Technical Officer in the office of the Principal, Civil Aviation Training Centre, Bamrauli, Allahabad relinquished charge of his office on the 30th September 1976 on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

H. L. KOHLI
Dy. Director (Administration)

New Delhi, the 15th November 1976

No. A.32013/7/76-EH.—The President is pleased to appoint Shri S. Venkaswamy, who is holding the post of Director of Equipment in the Civil Aviation Department, on ad-hoc basis, to the same post on regular basis with effect from the 28th October, 1976, and until further orders.

P. C. JAIN
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 18th November 1976

No. 1/188/76-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri N. V. Padmanabhan, Supdt. as Assistant Administrative Officer in an officiating capacity in the Arvi Branch, for the period from 13-9-1976 to 30-10-76 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Patna, the 3rd November 1976

C. No. II(7)5ET/75-10219.—Sri H. K. Mitra, Officiating Assistant Collector of Central Excise and Customs Collectorate, Patna has retired from Service on superannuation with effect from 31-5-1976 (A.N.).

C. No. II(7)5-ET/75/10220.—Sri C. D. Sah, Officiating Assistant Collector (Jn. Scale) Central Excise, Dhanbad Division who was under order of transfer to Superintendent Group 'A' Central Excise, Hqrs. Office, Patna Vide Estt. order No. 180/76 dt. 16-6-76, proceeded on leave preparatory to retirement Vide Estt. order No. 227/76 dt. 14-8-76 after relinquishing his charge on 30-6-76 (A.N.), retired from service on superannuation w.e.f. 31-8-76 (A.N.).

A. D'SOUZA
Collector
Central Excise
Patna

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT,
CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 23rd November 1976

No. 18/76.—Sh. A. S. Das Gupta lately posted as Superintendent Central Excise Group 'B' in Calcutta Central Excise Collectorate assumed charge as Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' in the East Regional Unit of the Directorate of Inspection, Customs & Central Excise at Calcutta on 8-11-76 (Forenoon).

S. VENKATARAMAN
Director of Inspection

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY,

New Delhi-110012, the 12th November 1976
(ESTABLISHMENT)

No. 3/76.—On his transfer Shri M. S. Bhardwaj, Administrative Officer, Office of the Asstt. Collector of Customs and Central Excise, Patiala assumed charge in the same capacity on deputation in the Central Revenues Control Laboratory, New Delhi-110012 with effect from the Afternoon of 31-10-1976.

V. S. RAMANATHAN
Chief Chemist, Central Revenues

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 20th November 1976

No. A-19012/606/76-Adm.V.—The Chairman Central Water Commission is pleased to appoint Shri R. Janardhan Babu, Supervisor as Extra Assistant Director/Assistant Research Officer/Assistant Engineer in the Central Water Commission on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the forenoon of 23rd September, 1976, until further orders.

Shri R. Janardhan Babu assumed charge of the office of Extra Assistant Director/Assistant Research Officer/Assistant Engineer in the Central Water Commission with effect from the above date and time.

The 22nd November 1976

No. A-19012/587/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri V. Venkateswar, Supervisor to officiate in the grade of Extra Asstt. Director/Asstt. Engineer in the Central Water Commission on a purely temporary and ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the forenoon of 21st August, 1976, until further orders.

Shri V. Venkateswar assumed charge of the office of the Assistant Engineer in the Central Water Commission with effect from the above date and time.

JASWANT SINGH
Under Secy.
for Chairman, C.W. Commission

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT
New Delhi, the 13th September 1976

No. 27-E/G(51)/71-ECII.—On expiry of 3 months notice of retirement under F.R. 56(j), Shri J. P. Goel, Executive Engineer, C.P.W.D., New Delhi will retire from Government service w.e.f. 11-9-1976 (A.N.).

The 22nd November 1976

No. 27-S/R (4)/69-ECII.—The President is pleased to accept the resignation from service, tendered by Shri S. Rangarajan Suptdg. Engineer, Delhi Central Circle No. I, Central P.W.D., New Delhi from the date he is relieved of his charge.

P. S. PARWANI
Dy. Director of Admn.
for Engineer-in-Chief

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 16th November 1976

No. 6/2/76-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri V. J. Reddy, Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering (Class II) service with effect from the afternoon of 18-10-1976, until further orders.

M. L. HANNA
Under Secy.

New Delhi-110022, the 17th November 1976

No. 6/21/76 Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri Kalika Prasad, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the forenoon of 21-9-1976 until further orders.

P. M. SIRAJUDDIN
Under Secy.

INTEGRAL COACH FACTORY
General Manager's Office

Madras-38, the 20th November 1976

No. PB/CG/9/Misc.II.—Sri R. RAJAGOPALAN, Officiating Assistant Engineer/Construction (Class II), who has been placed on deputation to Central Vigilance Commission for appointment as Assistant Technical Examiner (Civil) on his grade pay plus a special pay of Rs. 75/- per mensem, has been relieved on 6-10-76 (A.N.).

Sri R. RAMAMURTHY, Officiating Inspector of Works/General (Class III) has been promoted to officiate as Assistant Engineer/Construction (Class II) from 7-10-1976.

Sri P. K. MUNSHI, Assistant Director (Met. Inspector)/II (Class II) on transfer from Research Designs & Standards Organisation/Lucknow reported for duty on the forenoon of 8-10-76 and took over charge as Officiating Chemist and Metallurgist (S.S.) vice Dr. P. K. Krishnamoorthy, transferred to R.D.S.O.

Sri R. JANAKIRAMAN, Officiating Superintendent (Hindi Section) (Class III) on transfer from Southern Railway has been promoted and posted as Officiating Assistant Hindi Officer (Class II) with effect from 18-10-1976.

Sri V. D'LLI BABOO, Officiating Assistant Personnel Officer/Reservation (Class II) has been relieved on the afternoon of 20-10-1976 to carryout his transfer to Southern Railway in the same capacity.

Sri C. SANKARAN, Welfare Inspector/General (Class III) has been promoted to officiate in Class II services Welfare Officer from 20-10-1976 (A.N.).

S. VENKATARAMAN
Deputy Chief Personnel Officer
for General Manager

SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 18th November 1976

No. P(GAZ)185/Accounts.—Sri P. S. Suryanarayana, a Junior Scale Officer (On Probation) of the Indian Railway Accounts Service of this Railway, has resigned from Railway Service. His resignation has been accepted with the sanction of the President with effect from 5-7-1976 waiving the notice period and recovery of cost of Training.

(Authority : Railway Board's letter No. 76.E(GR)II/10/5 dated 18-10-1976)

K. S. RAJAN
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Mani Chit Fund Company Private Limited*
Madras, the 18th November 1976

No. DN/3533/560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Mani Chit Fund Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sri Ram Screw and Metal Industries Private Limited*

Madras, the 18th November 1976

No. DN/3654/560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sri Ram Screw and Metal Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Ravi Kumar Roadways Private Limited*

Madras, the 18th November 1976

No. DN/4917/560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Ravi Kumar Roadways Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Ganesh Chit Fund Company Private Limited*

Madras, the 22nd November 1976

No. DN/809/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Ganesh Chit Fund Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Killoor Tea Plantation Company Private Limited*

Madras, the 22nd November 1976

No. DN/1167/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Killoor Tea Plantation Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Packing Accessories Private Limited*

Madras, the 22nd November 1976

No. DN/5472/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof

the name of Packing Accessories Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Lakshmi Auto Cycles Limited*

Madras, the 22nd November 1976

No. DN/5515/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Lakshmi Auto Cycle Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Rajendran Roadways Private Limited*

Madras-6, the 22nd November 1976

No. DN/5594/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Rajendran Roadways Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Rajamani Chit Funds Private Limited*

Madras-6, the 22nd November 1976

No. DN/5634/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Rajamani Chit Funds Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Mekem Engineer Private Limited*

Madras-6, the 22nd November 1976

No. DN/5655/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Mekem Engineer Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Homeo and Bio Company Limited*

Madras-6, the 22nd November 1976

No. DN/5760/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Homeo and Bio Company Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Shreyas Electrical Industries Private Limited*

Madras-6, the 22nd November 1976

No. DN/5895/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Shreyas Electrical Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

P. BHASKER RAO
Asstt. Registrar of Companies

Madras-600006, the 20th November 1976

No. 3391/Liqn./S-560(4)/76.—Whereas M/s. Coonoor Talkies Private Limited, (In Liquidation) having its registered office at Melur, Melur P.O. THENILGIRIS, is being wound up;

AND WHEREAS the undersigned has reasonable cause to believe that no Liquidator is acting the affairs of the company have been completely wound up and that the statement of accounts required to be made by the Liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

NOW THEREFORE, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act 1956 notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of M/s. Coonoor Talkies Private Limited (In Liquidation) will unless cause is shown to the contrary be struck off the register and the company will be dissolved.

P. ANNAPURNA
Addl. Registrar of Companies

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. N. G. Crushing & Manure Mills Private Limited*

Bhubaneswar, the 12th November 1976

No. A.183/76-3480(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. N. G. Crushing & Manure Mills Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Sambalpur Friends Cement Enterprisers Private Limited*

Bhubaneswar, the 12th November 1976

No. A.552/76-3481(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sambalpur Friends Cement Enterprisers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

C. R. DAS
Registrar of Companies

Bombay, the 11th November 1976

No. 14976/Liqn.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Cine & T.V. Equipment Private Limited has been ordered to be wound up by an order dated 16-6-1976 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Unique Engineering Works Private Limited*

Bombay-2, the 15th November 1976

No. 12640/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the Unique Engineering Works Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Processed Papers Private Limited*

Bombay-2, the 18th November 1976

No. 14283/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the M/s. Processed Papers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Seyer Engineering Equipment Private Limited*

Bombay-2, the 18th November 1976

No. 16664/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Seyer Engineering Equipment Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
Addl. Registrar of Companies

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Narayangonj Company Private Limited*

Calcutta, the 19th November 1976

No. 1507/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Narayangonj Company Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Chittagong Company Private Limited*

Calcutta, the 19th November 1976

No. 1538/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

the name of the Chittagong Company Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Radical Insurance Company Limited*

Calcutta, the 19th November 1976

No. 6897/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Radical Insurance Company Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. C. NATH
Asstt. Registrar of Companies

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Cyrenics Private Limited*

Delhi, the 22nd November 1976

No. 3023/21167.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Cyrenics Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. M. S. JAIN
Asstt. Registrar of Companies
Delhi and Haryana

FORM ITNS—

(1) Shri Baldev Singh, Ranjit Singh sons of Sub. Kirpa Singh s/o Shri Waryam Singh, r/o Khawaspur, P.S. Sadar, Hoshiarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 22nd November 1976

Ref. No. AP-1632/76-77.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4288/March, 76 situated at Khawaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on March 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Amarjit Singh s/o Shri Nasib Singh s/o Shri Inder Singh, Resident of Kurali, Tch. Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 17 k & 2 marlas situated at village Khawaspur as mentioned in registration deed No. 4288 of March, 1976, of Registering Authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 22-11-1976

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
SMT KGMP AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.,
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400 002, the 20th November 1976

Ref. No. AR/III/1118/July 76.—Whereas, I, Shri M. J. MATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 151, S. No. 161 (pt.), situated at Village Pahadi, Goregaon (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub Registrar's Office, Bombay on 22-6-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rameshprasad Maloo, Hospital Road, Jamnagar, Gujarat.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Bhanwaridevi Kabra, C3/7, Hari Ratan Society, M. G. Road, Bangur Nagar, Goregaon (West), Bombay-400062.
- 2. Shri Krishnagopal Somani, F1/13, Hariniketan Society, M. G. Road, Bangur Nagar, Goregaon (West), Bombay-400062.
- 3. Shri Girirajkishore Malpani, F7/8, Hari Niketan Society, M. G. Road, Bangur Nagar, Goregaon (West), Bombay-62.
- 4. Shri Hastimal Maheshwari, C/3/8 Hari Ratan Society, M. G. Road, Bangur Nagar, Goregaon (West), Bombay-62.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece and parcel of land or ground being Plot No. 151 situate lying and being in the Village Pahadi, Goregaon (West) Taluka Borivali in the Registration Sub District Bandra, District Bombay Suburban now in Greater Bombay and bearing S. No. 161 (Part) and admeasuring 829.83 sq. yards or there abouts equivalent to 693.84 square metres and bounded as follows : that is to say On or towards the West by Plot No. 152, towards North by 50 feet wide Road, A and towards East by the 50 feet wide Road A-2 and towards South by Plot No. 150.

M. J. MATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 20th November, 1976.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONE-411004**

Poona-411004, the 15th November 1976

Ref. No. CA/5/Dhond/Poona/May & 6/311/76-77.—
Whereas, I, V. S. GAITONDE,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gat No. 1180 situated at Patas, Tal. Dhond, Distt. Poona
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhond on 24-5-76,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
13—366GI/76

(2) (1) Smt. Kamal Shantaram Deshpande, (2) Kum. Chaya Shantaram Deshpande, (3) Kum. Nirmala Shantaram Deshpande, (4) Kum. Shaila Shantaram Deshpande (all minors) Guardian, Smt. K. S. Deshpande, at Patas, Tal. Dhond, Distt. Poona.
(Transferees)

(2) (1) Shri Sitaram Namdeorao Wable, (2) Shri Vinayak Namdeorao Wable, (3) Shri S. R. Wable, (4) Shri Ankush R. Wable, (5) Baijrao N. Wable, minor guardian Shri N. G. Wable, at Patas, Tal. Dhond, Distt. Poona.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands Gat No. 1180, 7 Hec. 36-R at Patas, Tal. Dhond, Dist. Poona.

V. S. GAITONDE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 15-11-1976.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM
ROAD, AHMEDABAD-380009**

Ahmedabad-380 009, the 19th November 1976

Ref. No. P. R. No. 494 Acq.23-885/14-6/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 1990/53/1, situated at Near Swastik Coop. Housing Society, Mal Godown Road, Mehsana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mehsana on 23-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Bai Jiviben Wd/of Jivram Dhanjibhai; 2. Patel Kachrabhai Motidas; 3. Patel Rambhai Cheldas; 4. Patel Keshavlal Amtharam; 5. Patel Babaldas Chhangadas; 6 Patel Kanjibhai Lalbhai; 7. Patel Ambalal Lalhbhai; 8. Panjabi Suvaranlal Thakurdas; All of Mehsana, Dist. Mehsana.

(Transferors)

- (2) M/s. Balol Nagar Co-op. Housing Society Ltd., President: Joitaram Nathubhai C/o. Jayant Cloth Centre, Raj Mahal Road, Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 1990/53/1, Near Swastik Coop. Housing Society, Malgodown Road, Mehsana admeasuring 1 acre and 24 gunthas i.e. 7744 sq. yds. as described in the sale-deed registered under registration No. 1428 in the month of March, 1976 by the Registering Officer, Mehsana.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 19th November, 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Iqbal Hasan Khan S/o Shri Zahurul Khan, R/o Karbala, Bhopal C/o Shri M. Raza Khan, I.F.S. Retd., H-5, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th November 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/751.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 5, Idgah Hills, Bhopal, situated at Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 9-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House No. 5, Khasra No. 97 At Idgah Hills, Bhopal.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8th November, 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kuldipsingh Bhatia S/o Sardar Kartar Singhji Bhatia, R/o 911, Khatiwala Tank, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Virendra Pal Singh Bhatia S/o Shri Kuldip Singh Bhatia, R/o 911, Khatiwala Tank, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th November 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/752.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. An Open Plot No. 28, at Veer Sawarkar Colony, Bhanwar-kuwa Road, Indore, situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed here-to has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 28-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot No. 28 at Veer Sawarkar Colony, Bhanwar-kuwa Road, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8th November, 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Nirmala Dave w/o Shri Vishnu Prasad Dave,
R/o 1008, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th November 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/753.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

A Plot No. 4 of Joint Development Scheme of Plot No. 8 & 9, Palasia II-B, Indore, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 23-6-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Kunwar Anshoo Jain, (ii) Kumari Meenakshi Jain, (iii) Kumari Bhawna Jain, all son/daughters of Kunwar Digvijay Singh Jain through natural guardian Smt. Suman Jain mother of the minors' (iv) Shri Pramod Kumar Jain, 17, Palsikar Colony, Indore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot No. 4 of Joint Development Scheme of Plot No. 8 & 9, Palasia II-B, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8th November, 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Taher Ali, S/o Shri Kamruddin Bohra, R/o 20,
Maharani Road, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Shri Om Prakash, (ii) Shri Kamal Kumar both sons of Shri Gordhanlal Agarwal, R/o 53, Parsi Mohalla, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 17th November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/759.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Block No. 129, Jaora Compound, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 11-5-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot situated at Block No. 129, Jaora Compound, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17th November, 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) (i) Shri Bhimdeo Rao Bhagwat, (ii) Smt. Kumudini Bai W/o Shri Bhimdeo Rao Bhagwat, (iii) Shri Kiran Kumar, (iv) Kumari Gurubala, All sons/daughter of Shri Bhimdeo Rao Bhagwat; All R/o 12, Meera Path Park Road, Indore.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.**

Bhopal, the 17th November 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/760.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing A Parcel of land situated on Plot No. 19, Meera Path (Sita Bagh), Park Road, Indore, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 31-5-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) (i) Shri Ashwini Kumar, (ii) Shri Mukesh Kumar both sons of Shri Rasiklal, R/o 44, Bada Sarafa, Indore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A parcel of land situated on Plot No. 19, Meera Path (Sita Bagh), Park Road, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 17th November, 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Anil S/o Shri Purshottamdas, R/o Dhar Road, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mathuradasji S/o Shri Ballabhdas Rathi, R/o 254, Dhar Road, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.**

Bhopal, the 17th November 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/761.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 254, Labriya Bheru Road (Dhar Road), Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 31-5-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 254, Labriya Sheru Road, (Dhar Road), Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17th November, 1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sharad Chand S/o Shri Hiralalji Verma through Power of Attorney Dr. Ratan Chand S/o Hiralal Verma R/o 120, Dhar Road, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

(2) (i) Shri Nanak Ram, (ii) Shri Moti Lal both sons of Shri Sundardas R/o Palsikar Colony (No. 158), Indore.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 17th November 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/762.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half Portion of Plot No. 5, Palsikar Colony, Indore situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20.5.1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Half Portion of Plot No. 5, situated at Palsikar Colony, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14—366GI/76

Date : 17th November, 1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Abdul Rasul S/o Shri Gulamali, 585/3, M. G. Road, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th November 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/76-77/763.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

An Open Plot No. B-1, the portion of No. 585/3, M. G. Road, Tukoganj, Indore, situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 5-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Shamsuddin S/o Shri Abde Ali, Opp. Dr. Karim Ali's Shop, Patni Bazar, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot No. B-1, The Portion of No. 585/3, M. G. Road, Tukoganj, Indore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17th November 1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kamla Bai W/o Shri Samratmal Porwal, Malhargarh, Distt. Mandsaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Khemchand S/o Shri Rajmal Jain (Nahargarh-wale), 13/2, Nai Abadi, Mandsaur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 17th November, 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/764.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A house at Plot No. 511, Scheme No. 1, New Abdi Road No. 5, Municipal No. 13/2, Manakdeo Marg, Lane No. 4, Mandsaur, situated at Mandsaur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mandsaur on 26-6-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A house at Plot No. 511, Scheme No. 1, New Abdi Road No. 5, Municipal No. 13/2, Manakdeo Marg, Lane No. 4, Mandsaur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17th November 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Kum. Sajjani George, D/o. Shri George Thomas,
Nadar Colony, Trichy Road, Coimbatore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. P. Santha, W/o. Late T. Pounrajah, Shantha Valley Estate, Assambur P.O. Yercaud, Salem Dt.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 17th November 1976

Ref. No. 82/MAR/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/2B, situated at Semmedu Village, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Yercaud (Doc. No. 41/76) on 18-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Undivided half share in agricultural lands measuring 36.06 acres in Survey No. 8/2B Semmedu village, Yercaud and the value of the office crops from the 1975-76 season and onwards.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17th November 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Madras Seva Sadan, No. 5, Harrington Road,
Chetput, Madras-31.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. S. M. Sultan Maricar, S/o Late Hameed
Sultan Maricar, No. 7, Sterling Avenue, Madras-34.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 26th November 1976

Ref. No. 15/APRIL/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot 'B', No. 57/58, situated at Harrington Road, Chetput, Madras-31

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. West Madras (Doc. No. 396/76) on April, 1976, for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in Plot No. 'B', in No. 57/58, Harrington Road, Chetput, Madras-31, measuring 2 grounds 619 sq. ft. in S. No. 609, R. S. No. 359/7.

G. RAMANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26th November 1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 26th November 1976

Ref. No. 16/APRIL/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 'A', No. 57/58, situated at Harrington Road, Chetput, Madras-31, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.O. West Madras (Doc. No. 492/76) on April, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Madras Seva Sadan, (Society registered under the Societies Registration Act) No. 5, Harrington Road, Chetput, Madras-31.
(Transferor)

(2) Smt. H. Kamarunnisa, W/o. S. H. Arif, No. 7, Sterling Avenue, Madras-34.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2 grounds 619 sq. ft. in Plot No. 'A', in No. 57/58, Harrington Road, Chetput, Madras-31, S. No. 609, R. S. No. 359/7.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 26th November 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Janab K. M. Shabiullah Sahib, S/o Moosa Saheb, Mel Alathur, Gudiyatham Tk., N.A. District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri A. C. Loganatha Mudaliar, S/o Sitrambalai Mudaliar, Konnaiyatham village, Gudiyatham Tk., N.A. District.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 20th November 1976

Ref. No. 24/APRIL/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. Nos. 349/1&3, 350/1 & 346, situated at Pattu village, Gudiyatham Tk. North Arcot District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Gudiyatham (Doc. No. 1235/76) on April, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires letter:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 3 acres 78 cents in the following survey numbers at Pattu village, Gudiyatham Taluk with Well and Electric Motor Pump Set :

Survey No.	Extent A.C.
349/1	1.10
349/3	2-04
350/1	0-57
346	0-07
Total	3-78

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 26-11-1976
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 26th November 1976

Ref. No. 28/APRIL/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 188/1, 191/1 & 2, situated at Naduvaneri village, Magudanchavadi, Namakkal Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Magudanchavadi (Doc. No. 433/76) on April 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ranganna Gounder, Shri Natesa Gounder, Shri Senraya Gounder & Shri Muthu Gounder, all sons of Shri Kandappa Gounder, Kendiyankadu, Perumalkavundanpatti, Salem Tk. & Dist.

(Transferors)

(2) Shri Sittha Gounder & Shri Thiruvengadam, Sons of Ramanna Gounder, Smt. Palaniammal, W/o Muthugounder Kattukonda, Sellampalayam, Salem Tk.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 3 acres in the following Survey Numbers at Naduvaneri village, Magudan havad Namakkal Tk with one Well.

Survey No.	EXTENT	A.C.
188/1		1-92
191/1		1-00
191/2		0-08
Total	3-00	

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 26-11-1976

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,****MADRAS-6**

Madras-6, the 26th November 1976

Ref. No. 29/APRIL/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 152/2, situated at Sellappampatti village, Magudanchavadi, Namakkal Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Magudanchavadi (Doc. No. 396/76) on April 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Chinnappan @ Ramasamy Gounder, S/o Ammasi Gounder, 2. Muthayammal, W/o No. 1,
3. Minor Natesan, by Guardian and father Shri Shinnappan @ Ramaswamy Gounder, Adukkukalkadu, Vajkundam village, Sankari Tk.

(Transferors)

(2) Shri Muthu Gounder, S/o Kuppanna Gounder, Adukkukalkadu, Vaikundam village, Sankari Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry lands measuring 6 acres 50 cents (out of 13 acres) in Survey No. 152/2, with half share in Well and 5 H.P. Motor Pump Set, at Sellappampatti village, Magudanchavadi, Namakkal Tk.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—366GI/76

Date : 26-11-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 26th November 1976

Ref. No. 30/APRIL/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 329, situated at Edappadi village, Sankari Tk, Salem Dist.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R.O. Edappadi (Doc. No. 416/76) on April, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri K. Gopalakrishnan, S/o M. R. Komarasamy Chettiar, Chetty St., Edappadi village, Sankari Tk., Salem Dist.

(Transferor)

(2) Shri C. Marimuthu Gounder, S/o Chinnamuthu Gounder, Mettu Street, Edappadi village, Sankari Tk., Salem Dist.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Agricultural lands measuring 3 acres 56 cents (out of 4 acres 75 cents $\frac{1}{4}$ th share) in Survey No. 329 at Edappadi village, Sankari Tk. with $\frac{1}{4}$ th share in a Well.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 26-11-1976

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I.
MADRAS-6**

Madras-6, the 26th November 1976

Ref No. 33/APRIL/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 104/1, situated at Edappadi village, Sankari Tk., Salem Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.O. Edappadi (Doc. No. 463/76) on April, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Muniammal W/o Sivaramu Chettiar, 2. Kuppammal, 3. Soundaram, 4. Vijayalakshmi; all daughters of Sivaramu Chettiar, Angalamman Koil Street, Edappadi, Sankari Tk., Salem Dist.

(Transferors)

(2) Smt. Dhanabagyam, W/o Chinnusamy Gounder, Chettiar Kadu, Edappadi village, Sankari Tk., Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry lands measuring 4 acres 50 cents in Survey No. 104/1 at Edappadi village, Sankari Tk., Salem Dist.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 26-11-1976

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri V. Balasubramaniam, (Asstt. Engineer, P.W.D.)
S/o Venkatarama Iyer, No. 1, Perumal Mada Veedhi,
Palayankottai, Tirunelveli District.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6**

Madras-6, the 26th November 1976

Ref. No. 33/MAR/76.—Whereas, I, G. RAMNATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 62, situated at Dhanappa Mudali Agraharam, Madurai Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Addl. S.R.O. Madurai (Doc. No. 711/76) on March, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri S. Ramakrishnan and Shri S. Mohana Sundaram, Sons of V. M. Sadashivam Iyer, No. 61, Dhanappa Mudali Agraharam, Madurai Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at door No. 62, Dhanappa Mudali Agraharam, Madurai Town (T.S. No. 578, New Ward No. 24) measuring 2700 sq. ft. with well and fittings.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. Anandhakumar,
S/o Shri N. Krishnaraj,
No. 55 Ponnurengam Road,
R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. K. Visalakshi ammal,
W/o Shri N. Krishnaraj,
No. 55 Ponnurengam Road,
R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. F. 2922/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 12, situated at Venkatasami Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Coimbatore (Doc. No. 751/76) on 2-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 8100 sq. ft. situated at Site No. 12, T.S. No. 296, Venkatasami Road, T. Block, Thadagam Extension, Coimbatore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-11-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS(1) Shri G. K. Dhamodaran,
S/o Shri Krishnamo Naidu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. F. 2933/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 583, situated at Uppilipalayam [land measuring 69 $\frac{1}{2}$ cents (with building)]

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Singanallur (Doc. No. 298/76) on 1-4-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(2) M/s. Saleem & Co.
Velankurichi Road,
Peelamedu P.O., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 69 $\frac{1}{2}$ cents (with building) and bearing S. No. 583 situated at Uppilipalayam, Coimbatore taluk.

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-11-1976

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Smt. Valli ammal
W/o Shri Palaniappa Chettiar,
No. 151 Perundurai Road,
Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. F. 2938/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 34 (T. S. No. 500/A1A), at Ramasami Gounder Street, Ward No. 17, Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at JSR I Erode (Doc. No. 811/76) on 11-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(2) Smt. Balasraswathy,
W/o Shri Shanmugasundaram,
No. 28 Pavadai Naicker St.,
Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1975);

Land and building bearing Door No. 34—T.S. No. 500/A1A Ramasami Gounder Street, Ward No. 17, Erode (Document No. 811/76).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 16-11-1976

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6**

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. 5132/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 11, Plot No. 13G, situated at Door No. 5 Greams Road, Madras and 1/48th undivided share in 2 grounds & 539 Sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar, Madras (Doc. No. 347/76) on March 1976 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri M. Murugesa Naicker;
2. Shri M. Thirunavukkarasu;
3. Shri M. Anandan;
No. 1 First Link St., CIT Colony,
Madras-4.
4. Shri T. Govindaswami,
No. 62/B Mowbrays Road, Madras-18.
(Transferor)

- (2) S. M. Salima Nachia,
No. 59 South Main St. Tiruvarur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11 in Plot No. 13G, L.A. No. 9/74, R.S. 43/4 Greams Road, Madras and 1/48th undivided share in 2 grounds and 539 Sq. ft.

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-11-1976

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6**

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. F. 5132/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 8, R.S. No. 43/4, situated at L.A. No. 9/74 Greams Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 348/76) on March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—366GI/76

- (1) 1. Shri M. Murugesa Naicker;
- 2. Shri M. Thirunavukkarasu;
- 3. Shri M. Anandan;
No. 1 First Link St., CIT Colony, Madras-4.
- 4. Shri T. Govindaswami,
No. 62/B Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferor)

- (2) S. M. Sultana Sofaiya Begum,
59 South Main St., Tiruvārur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8 in ground floor in Plot No. 13-G, R.S. No. 43/4, L.A. No. 9/1974 Greams Road, Madras-6.

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-11-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. F. 5132/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 7 in Plot 13-G situated at L.A. 9/1974, R.S. No. 43/4 Greams Road, Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar Madras (Doc. No. 349/76) on March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Shri M. Murugesa Naicker;
2. Shri M. Thirunavukkarasu;
3. Shri M. Anandan;
No. 1 First Link St., CIF Colony,
Madras-4.
4. Shri T. Govindaswamy,
No. 62/B Mowbrays Road, Madras-18.
(Transferor)

- (2) S. M. Sultan Fazal Mohamed,
No. 59 South Main St., Tiruvarur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7 in Plot No. 13G, Ground floor in L.A. 9/1974, R.S. No. 43/4 Greams Road, Madras-6.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-11-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. 5132/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 10, Plot No. 13G, situated at L.A. No. 9/74, Greams Road, Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 350/76) on March 1976 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri M. Murugesa Naicker;
2. Shri M. Thirunavukkarasu;
3. Shri M. Anandan;
No. 1 First Link St., CIT Colony,
Madras-4.
4. T. Govindaswamy,
No. 62/B Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferor)

- (2) S. M. Sultan Fyzee Mohamed (Minor),
Represented by father and guardian
S. M. Miskeen, 59 South Main St.,
Tiruvarur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10 in Plot No. 13G of L.A. No. 9/1974 (R.S. No. 43/4) in Greams Road, Madras-6.

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Sarala Sridharan
W/o Shri S. Sridharan
No. 11 Sullivans Garden Road, Madras-4.

(Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

(2) 1. Smt. D. Manonmani
W/o Shri M. Doraibabu; and

2. Sow Renuka
D/o Shri Krishnappa Naidu
No. 3 Muthia Chetty St. Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F. 5138/75-76.—Whereas, I S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 11, situated at Ramakrishna Nagar, Mandavelipakkam Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South—Document No. 212/76 on 26-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 3 grounds and 1369 Sq. ft. situated at Plot No. 11 Ramakrishna Nagar, Mandavelipakkam, Madras (R. S. No. 4253/3).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-11-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri M. Murugesa Naicker;
 2. Shri M. Thirunavukkarasu;
 3. Shri M. Anandan
 No. 1 First Link St., CIT Colony, Madras-4; &
 4. Shri T. Govindaswamy
 No. 62/B Mowbrays Road, Madras-18.
 (Transferor)

(2) M/s. Lokavani Hall Mark Press Private Ltd.
 No. 17 Chulam Mohamed Mohideen Street,
 Madras-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX.
 ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. F. 5155/76-77.—Whereas, I S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 9-B, situated at L. A. No. 9/74 Greams Road, Madras (R. S. No. 43/4) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 275/76) on March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 ground and 2396 Sq. ft. (with shed) situated at Plot No. 9/B, L.A. No. 9 of 1974, Greams Road, Madras (R. S. No. 43/4). (Doc. No. 275/76).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II,
 Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-11-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri T. Govindaswamy and Smt. G. Subbulakshmi
No. 62/B Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-**TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6**

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. F. 5156/75-76.—Whereas, I S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 5 Plot No. 13-D, situated at Greames Road, Madras (Second floor)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 277/76) on March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) 1. Shri V. P. Chockalingam;
2. V. P. Appunni
3. V. P. Vittal Raj
4. V. Parimala
5. N. Saraswathi
6. A. Kamala Kumari
No. 20 New St., Bospet, Gudiyatham

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Second floor in Plot No. 13-D, Door No. 5 Greams Road, Madras (L. A. No. 9/1974; R. S. No. 43/4) and one-fourth undivided interest in the vacant land.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-11-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri T. Govindaswamy and Smt. G. Subbulakshmi
No. 62/B Mowbrays Road, Madras-18.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. F. 5156/75-76.—Whereas, I S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 5 Plot No. 13-D, situated at Greams Road, Madras (First floor)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 278/76) on March 1976 for an apparent consider-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri V. P. Vasudevan;
Shri V. P. Narayanan;
Shri V. P. Arumugham
Shri V. P. Vittal Raj;
V. C. Mala
A. Tharabai
No. 20 New St., Bospet, Gudiyatham.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

First floor in Plot No. 13D, Door No. 5 Greams Road, Madras-6 and one-fourth undivided interest in the vacant land. (Doc. No. 278/76).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-11-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. Babu Naidu &
Smt. M. Sathyavathi Ammal
No. 83 Habibulla Road, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6**

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. F. 5158/75-76.—Whereas, J. S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 83, situated at Habibullah Road, Madras-17 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 311/76) on 11-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(2) Smt. M. Dhanalakshmi Ammal; and
Shri M. Kotteeswaran
No. 26 P. V. Koil St.,
Kosapet, Madras-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 grounds and 1234 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 83, Habibullah Road, Madras-17

(T. S. No. 8063, R. S. No. 30).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date : 16-11-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Trustees of Rukmanibai Rupchand Trust
No. 3/155 Mount Road, Madras-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Kishinchand Chellaram (India)
Private Ltd.
No. 3/4 Godown St., Madras-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th November 1976

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. F. 5165/75-76.—Whereas, I S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 86, Wallajah Road, situated at Triplicane, Madras (110/345 shares) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane, Madras (Doc. No. 124/76) on 6-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

110/345 share in ground and building bearing Door No. 86 Wallajah Road, Triplicane, Madras—R. S. No. 26—Extent: 2 grounds and 2144 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

17—366GI/76

Date : 16-11-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. T. S. Mahalingam &
Smt. T. S. Rajalakshmi
No. 3 Ranganathan St.
Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. V. G. P. Investments
V. G. P. Square
No. 21 Dharmaraja Koil St.
Madras-15.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. 5169/75-76.—Whereas, I S. RAJARATNAM being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 1/1A2A, situated at No. 142 Palavakkam village (2 acres of land)
Sector 15-C, Chandigarh,
(and more fully described in
the schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering officer at
JSR, Madras North (Doc. No. 1162/76) on March 1976
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

2 Acres of land bearing Survey No. 1/1A2A, No. 142
Palavakkam village, Saidapet Taluk, Chingleput District.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 16-11-76.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) 1. Shri M. Murugesa Naicker;
 2. Shri M. Thirunavukkarasu;
 3. Shri M. Anandan
 No. 1 First Link St., CIT Colony, Madras-4
 4. Shri T. Govindaswami
 No. 62/B Mowbrays Road, Madras-18.
 (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6**

(2) Shri Maheshlal
 No. 4 Ayalur Muthiah Mudali St.
 Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. F. 5179/75-76.—Wheeras, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Apartment No. 5 (314 Sqft.), situated at Plot No. 13-G, R. S. No. 43/4 Greams Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 293/76) on March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Apartment No. 5, Plot No. 13-G, R. S. No. 43/4 Greams Road, Madras and 1/48th undivided interest in 2 Grounds and 539 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-11-76.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. F. 5179/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Apartment No. 2 (310 Sq. ft.) situated at Plot No. 13G, R. S. No. 43/4 Greams Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 291/76) on March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri M. Murugesa Naicker;
2. Shri M. Thirunavukkarasu;
3. Shri M. Anandan
No. 1 First Link St., CIT Colony, Madras-4.
4. Shri T. Govindaswami
No. 62/B Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferor)

- (2) Shri Gopal
No. 11 Casa Major Road,
Egmore, Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undermentioned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Apartment No. 2 (310 Sq. ft.) in Plot No. 13-G, R. S. No. 43/4, Greams Road, Madras and 1/48th undivided share in 2 grounds and 539 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 16-11-76.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri M. Murugesa Naicker;
2. Shri M. Thirunavukkarasu;
3. Shri M. Anandan
No. 1 First Link St., CIT Colony Madras-4.
4. Shri T. Govindaswami No. 62/B Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

(2) Shri Kumar
No. 11 Casa Major Road,
Egmore, Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 16th November 1976

Ref. No. 5179/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Apartment No. 3 (314 Sq. ft.), situated at Plot No. 13G (R. S. No. 43/4) Greams Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 292/76) on March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Apartment No. 3 (314 Sq. ft.) in Plot No. 13-G, R. S. No. 43/4 Greams Road, Madras and 1/48th undivided share in 2 grounds and 539 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-11-76.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri S. Padmanabhan
S/o late Shri M. Subbaraya Aiyer
No. 1 Subbaraya Aiyar Avenue, Madras-18.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. K. Narasimhan
S/o Shri T. S. Krishnaswami Iyengar,
No. 15 Alamelumangapuram St.,
Madras-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-JI MADRAS-6

Madras-6, the 16th November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F. 5182/75-76.—Whereas, J. S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 12, situated at Subbaroya Iyer Avenue, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras (Doc. No. 392/76) on 12-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land measuring about 2 grounds with well excluding electric pumpset and fittings situated at Plot No. 12, Subbaraya Aiyar Avenue, Madras-18 (R. S. No. 3667/1 Part, Mylapore, Madras).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-11-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. Murugesa Naicker and 3 others
No. 1 First Link St., CIT Colony, Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. K. A. Fathima Khani
W/o Shri S.E.A. Haja Maideen
No. 31 Hameedia St., Koothanallur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 22nd November 1976

Ref. No. F. 5179/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2, Door No. 5, situated at Greams Road, Madras-6 (Ground floor) & 1/5th share in 4 grounds & 940 Sft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras-17 (Doc. No. 285/76) on March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/5th share of plot No. 2 measuring 4 grounds and 940 Sft. in the lay-out L.A. No. G. 19/224/75 in Old Survey No. 97 and Survey No. 43/3 and R. S. No. 43/4 along with the ground floor (unfinished) construction (Door No. 5 Greams Road, Madras-6.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 22-11-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. Murugesu Naicker & 3 others
No. 1 First Link St., CIT colony, Madras-4.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. S. H. Mumtaz Begum
W/o Shri T.M.A. Haja Maideen
No. 31 Hameedia St.,
Koothanallur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.**

Madras-6, the 22nd November 1976

Ref. No. F. 5179/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2, Door No. 5,
situated at Greams Road, Madras-6 (first floor) and 1/5th share in 4 grounds & 940 Sft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Madras (Doc. No. 286/76) on March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of plot No. 2 (Door No. 5, Greams Road Madras-6) measuring 4 grounds and 940 Sft. in the lay out LA No. G19/224/75 in Old Survey No. 97 and Survey No. 43/3 and R.S. No. 43/4 along with the first floor (Unfinished) construction.

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 22-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Murugesa Naicker & others
No. 1, First link St.,
CIT Colony, Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Uthamchand,
No. 4, Ayalur Muthiah Mudali St.,
Madras-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 22nd November 1976

Ref. No. F. 5179/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 13G, Door No. 5, situated at Greams Road, Madras (1/48th share in 2 grounds & 530 Sft.—with building Apartment No. 6. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 288/76) on March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Apartment No. 6 (314 Sft. approximately) and 1/48th share of the land area of 2 grounds and 530 Sft. in Plot No. 13G, Door No. 5 Greams Road Madras-6 (Sanctioned lay out No. 9/74 comprised in O.S. No. 97 and S. No. 43/3 and R. S. No. 43/4).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 22-11-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

18—366GI/76

FORM ITNS

(1) Shri Murugesa Naicker & others
No. 1, First link St.,
CIT Colony, Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-6

Madras-6, the 22nd November 1976

Ref. No. F. 5179/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Apartment No. 4, situated at Plot No. 13G, Door No. 5 Greams Road, Madras & 1/48th share in 2 grounds & 530 Sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar Madras (Doc. No. 289/76) on March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Jagadeesh
No. 11, Casa Major Road,
Egmore, Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 4 and 1/48th share in 2 grounds and 530 Sq. ft. in Plot No. 13G, Door No. 5, Greams Road, Madras-6 (Lay out No. 9/1974 comprised in O.S. No. 97 and S. No. 43/3 and R.S. No. 43/4).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 22-11-1976

Seal

FORM ITNS

(1) Shri Murugesa Naicker & others
No. 1, First link St.,
CIT Colony, Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prakash
No. 11, Casa Major Road,
Egmore, Madras-8.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 22nd November 1976

Ref. No. 5179/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Apartment No. 1, situated at Plot No. 13G, Door No. 5, Greams Road, Madras & 1/48th share in 2 grounds & 530 Sft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 290/76) on March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 1 (314 Sq. ft. approximately) and 1/48th share in 2 grounds and 530 Sq. ft. in Plot No. 13G, Door No. 5, Greams Road, Madras-6 (Layout 9/74 comprised in O.S. No. 97 and S. No. 43/3 and R.S. No. 43/4).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-11-1976

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) 1. Rajendra Kumar Mukhtar
Smt. Rameshwari Devi (Self), 2. Sri Vijay Kumar
Gupta, 3. Sri Bhoopendra Kumar Gupta Mukhtar
Sri Kamlesh Kumar s/o Khem Raj
r/o Shamli Muzaffarnagar.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

(2) Shri Sundar Lal (major)
Sri Sushil Kumar (minor) sons of Sri Brij Lal
r/o Shamli Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 10th November 1976

Ref. No. F. Acq/169-A/Kairana/76-77/2080.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kairana on 15-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Immovable property Shop situated at Bara Bazar Kala Shamli Distt Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration for Rs. 21,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-11-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th November 1976

Ref. No. F. Acq/K168-A/Kairana/76-77/2081.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule

situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kairana on 15-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajendra Kumar Mukhtar
Smt. Rameshwari Devi (Self), 2. Sri Vijay Kumar
Gupta, 3. Sri Bhoopendra Kumar Gupta Mukhtar
Sri Kamlesh Kumar s/o Sri Khem Raj
r/o Shamli Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shrimati Roshni Devi w/o
Shri Chaman Lal Khatri,
r/o Shamli Distt Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Shop situated at Bara Bazar Kala Shamli, Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration for Rs. 21,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 10-11-1976

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th November 1976

Ref. No. F. Acq/167/Kairana/76-77/2082.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana on 15-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Rajendra Kumar Mukhtar
Smt. Rameshwari Devi (Self), 2. Sri Vijay Kumar
Gupta, 3. Sri Bhoopendra Kumar Gupta Mukhtar
Sri Kamlesh Kumar s/o Sri Khem Raj
r/o Shamli Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kailash Chand, 2. Sri Prithi Singh s/o
Sri Banarsi Dass Vaisya,
r/o Shamli Mauza Reshma Katera,
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immoveable property Shop measuring 60 sq. metre situated Bara Bazar Kala Shamli Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration for Rs. 22,500/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 10-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harihar Govind Balkur,
Ravarpet, Sirsi (NK).

(Transferor)

(2) Shri K. Vasudev Bhat,
Manager, Syndicate Bank,
Haliyal (NK).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR**

Dharwar, the 22nd November 1976

No. 152/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

118/20 (PLOT NO.)

situated at SIRSI (NK)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SIRSI Under Document Number 933/75-76 on 24-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mangalore Tiled House together with open space situated at Market Area Sirsi (NK) bearing S. No. 118/20 (Plot No.) Measuring 5 Gunthas.

P. SATYANARAYANA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 22-11-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pandurang Ramakrishna Palekar,
Mundgod Post (NK).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sahadevappa Fakirappa Kusur,
Chigalli, Taluk Mundgod (NK).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Dharwar, the 22nd November 1976

No. 153/76-77/ACQ.—Whereas, J. P. SATYANARAYANA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 32/1, 32/3 situated at Saligaon Village of Mundgod Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SIRSI Under Document Number 900/75-76 on 9-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Agricultural Lands at Saligaon Village of Mundgod Taluk (NK) bearing Survey Number 32/1 (1 Acre 1 Guntha) & 32/3 (5 Acres 16 Gunthas).

P. SATYANARAYANA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pandurang Ramkrishna Palekar,
Mundgod (NK).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pundalik Fakirappa Kusur,
Chigalli, Taluk Mundgod (NK).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 22nd November 1976

No. 154/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 32/2 situated at Saligaon Village of Mundgod Taluk (NK) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SIRSI Under Document Number 901/75-76 on 9-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—366GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5 Acres 12 Gunthas situated at Saligaon Village of Mundgod Taluk (NK) bearing Survey Number 32/2.

P. SATYANARAYANA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 22-11-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri D. R. Nagaraj Jois, (2) Shri D. N. Sreepad, (3) Shri D. N. Prakash, (4) Kumar D. N. Shivashankar, M/G By Shri D. R. Nagaraj Jois, 1st Cross, Jayanagar Extension, Shimoga.

(Transferors)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 22nd November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

No. 155/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 116, 117, 120 situated at Anupinkatte Village, Shimoga Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shimoga Under Document Number 3513 on 24-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri K. S. Basappa, III Cross, Jayanagar Extension, Banavangudi, Shimoga.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands at Anupinkatte Village of Shimoga District, bearing Survey Numbers 120 (1 Acre), 120 (3 Acres 35 Gunthas), 116 (4 Acres 1 Gunta) and 117 (2 Acres 33 Gunthas).

P. SATYANARAYANA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 22-11-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 22nd November 1976

NOTICE No. 156/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 119 & 120 situated at Anupinkatte Village of Shimoga Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Shimoga Under Document Number 3514 on 24-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1: Shri D. R. Nagaraj Jois, (2) Shri D. N. Sreepad, (3) Shri D. N. Prakash, (4) Kumar D. N. Shivashankar, M/G by Shri D. R. Nagaraj Jois, Ist Cross, Jayanagar Extension, Shimoga.

(Transferors)

(2) Shri K. S. Rajashekhar, Ashoknagar, Bhadravathi, Dist. Shimoga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands at Anupinkatte Village of Shimoga District bearing Survey Number 119 (6 Acres 11 Gunthas), 120 (3 Acres 31 Gunthas).

P. SATYANARAYANA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 22-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Khushkum Bhama,
W/o Ameer Khan,
B. H. Road, Bhadravati, Shimoga Dist.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri N. Nagappa,
Prop. Maruthi Cycle Stores,
B. H. Road, Old Bhadravati.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Dharwar, the 22nd November 1976

NOTICE No. 157/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 3, situated at Hutta Village, Bhadravati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhadravati Under Document Number 3047 on 27-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Immovable Property bearing R. S. No. 3, situated at Bhadravati,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

P. SATYANARAYANA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Dharwar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Khushkum Bhama, W/o Shri Ameer Khan,
B. H. Road, Bhadravati, Shimoga Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri G. Narayan,
Near Paper Mills,
Bhadravati, Dist. Shimoga.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Dharwar, the 22nd November 1976

NOTICE No. 158/76-77/AOO.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 3

situated at Bhadravati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhadravati Under Document Number 3048 on 27-3-1976 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property as described in the instrument of transfer Registered Under Document Number 3048 before the Sub-Registrar, Bhadravati.

P. SATYANARAYANA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Khushkur Bhama, W/O Shri Ameer Khan,
B. R. Road, Bhadravati, Shimoga Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR**

Dharwar, the 22nd November 1976

NOTICE No. 159/76-77/ACQ.—Whereas, 1, P. SATYA-NARAYANA RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 3 situated at Bhadravati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhadravati Under Document Number 3049 on 27-3-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property as described in the instrument of transfer Registered Under Document Number 3049 before the sub-Registrar, Bhadravati.

P. SATYANARAYANA RAO

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Dharwar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-11-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 24th November 1976

NOTICE No. 160/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot Number 19-A of Caculo's 'A' Scheme situated at Mira Mar within the Municipal Area of Panaji (Goa) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Panaji (Goa) Under Document Number 200 on 23-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) (1) Shri Mohan Shridhar Sinai Bobo Caculo, S/o Shridhar Sinai Bobo Caculo and his wife Smt. Surekha Mohan Caculo, (2) Shri Pandurang Shridhar Sinai Bobo Caculo s/o Shridhar Sinai Bobo Caculo and his wife Smt. Mangala Pandurang Caculo, residents of Panaji (Goa).

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant Babal Naik,
Alias Krishna Badal Naik,
S/o Shri Babal K. Naik,
Betim-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the due of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land known as Plot Number 19-A of Caculo's 'A' Scheme situated at Mira Mar within the Municipal Area of Panaji of Tiswadi Taluka, Sub-District of Ilhas, Goa District admeasuring 309 Square Metres.

P. SATYANARAYANA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Dharwar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-11-1976

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, DHARWAR**

Dharwar, the 24th November 1976

NOTICE No. 161/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot Number 2 of Caculo's 'A' Scheme, situated at Mira Mar within the Municipal Area of Panaji (Goa) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panaji (Goa) Under Document Number 194 on 20-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 369 of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Mohan Shridhar Sinai Bobo Caculo, S/o Shridhar Sinai Bobo Caculo and his wife Smt. Surekha Mohan Caculo, (2) Shri Pandurang Shridhar Sinai Bobo Caculo, S/o Shridhar Sinai Bobo Caculo and his wife Smt. Mangala Pandurang Caculo, All are residents of Panjim (Goa).

(Transferrors)

(2) Shri Germano Herculano Fernandes, S/o M. Xavier Fernandes, resident of Salvador-Do-Mundo, Bardez (Goa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land known as Plot Number 2 of Caculo's 'A' Scheme situated at Mira Mar within the Municipal Area of Panaji of Tiswadi Taluka, Sub-District of Ilhas, Goa District, measuring 481 Square Metres.

P. SATYANARAYANA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 24-11-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Shri Mohan Shridhar Sinai Bobo Caculo, S/o Shridhar Sinai Bobo Caculo and his wife Smt. Surekha Mohan Calulo,
(2) Shri Pandurang Shridhar Sinai Bobo Caculo, S/o Shridhar Sinai Bobo Caculo & his wife Smt. Mangala Pandurang Caculo, residents of Panaji (Goa).

(Transferors)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

DHARWAR

Dharwar, the 24th November 1976

NOTICE No. 162/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot Number 17 of Caculo's 'A' Scheme, situated at Mira Mar, within the Municipal Area of Panaji (Goa).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panaji (Goa) Under Document Number 193 on 20-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Cajetan Gomes, S/o Antonio J. Gomes, St. Estevam (Goa)
C/o Shri Anguelo Gomes, Bairo Poswado, St. Estevam, Ilhas (Goa).

(Transferee)

Objections, if any, of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land known as Plot Number 17 of Caculo's 'A' Scheme situated at Mira Mar within the Municipal area of Panaji of Tiswadi Taluka, Sub-District of Ilhas, Goa District, Measuring 348 Square Metres.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. SATYANARAYANA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—366GI/76

Date : 24-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramchandra Annaji Patil, Agriculturist,
Tilakwadi, Belgaum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 24th November 1976

NOTICE No. 163/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot Number 9 on C.S. Number 190/1/1 situated at Tilakwadi, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Belgaum Under Document Number 3593 on 6-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(2) Shri Vithalacharya Subanacharya,
H. No. 1638, Ansurkar Galli, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Number 9 on C.S. No. 190/1/1 together with house, situated at Tilakwadi, Belgaum.

P. SATYANARAYANA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 24-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramchandra Annaji Patil,
Agriculturist, Tilakwadi, Belgaum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shirish Vithalacharya,
House No. 1638, Ansurkar Galli,
Belgaum.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 24th November 1976

NOTICE No. 164/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYA-NARAYANA RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 9 on C.S. No. 190/1/1, situated at Tilakwadi, Belgaum, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum Under Document Number 3617 on 8-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Number 9 on C.S. No. 190/1/1 together with house, situated at Tilakwadi, Belgaum.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

P. SATYANARAYANA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 24-11-1976.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 25th November 1976

NOTICE No. 165/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot Number A-7, of LA Campala residential colony situated at Santa Inez (Goa) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panaji (Goa) Under Document Number 162 on 5-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Jose Mariano Juliao Pinto D'Abreu,
2. Smt. Rosalia Otilia Melinda Pinto D'Abreu,
3. Smt. Beatriz Pinto D'Abreu,
4. Smt. Sara Pinto D'Abreu,
5. Shri Jorge Alberto De Gouveia Pinto,
Smt. Ana Maria Alba Olinda Ferreira D'Abreu
Alias Maria Olinda Ferreira D'Abreu De
Gouveia Pinto,
7. Smt. Anamaria Delfina Berta Alias Berta Delfina
Ferreira D'Abreu,
8. Smt. Branca Neta Ana Maria Ferreira D'Abreu
Alias Smt. Neta Ferreira D'Abreu,
Residents of Ilhas, Panjim (Goa).

(Transferor)

- (2) Shri Mateus Otao Maximiano Gonsalves
S/o Fraicisco Gonsalves,
Residing at Tonca, Caranzalem, Ilhas (Goa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable Property Described in the instrument of transfer dated 4th February 1976, registered with Sub-Registrar, Panjim under Document Number 162 dated 5-3-1976.

P. SATYANARAYANA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 25-11-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Shri Jose Mariano Juliao Pinto D'Abreu,
 2. Smt. Rosalia Otilia Melinda Pinto D'Abreu,
 3. Smt. Beatriz Pinto D'Abreu,
 4. Smt. Sara Pinto D'Abreu,
 5. Shri Jorge Alberto De Gouveia Pinto,
 6. Smt. Anamaria Alba Olinda Ferreira D'Abreu
 Alias Maria Olinda Ferreira D'Abreu De
 Gouveia Pinto,
 7. Smt. Anamaria Delfinaberta Alias Berta Delfina
 Ferreira D'Abreu,
 8. Smt. Branca Neia Ana Maria Ferreira D'Abreu
 Alias Smt. Neta Ferreira D'Abreu, all are
 Residents of Ilhas, Panjim (Goa).

(Transferor)

(2) Shri Pundalik Raghunath Chodankar,
 residing at Tonca, Caranzalem,
 Ilhas (Goa).

(Transferee)

Dharwar, the 25th November 1976

N., 166/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYA-NARAYANA RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot Number A-6 of LA Campala residential colony, situated at Santa Inez (Goa) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panaji (Goa) Under Document Number 163 on 5-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property described in the instrument of transfer dated 4th February 1976, registered with the Sub-Registrar, Panjim under Document Number 163 on 5-3-1976.

P. SATYANARAYANA RAO,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Dharwar

Date : 25-11-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) T. Krishnan Nair S/o N. Narayanan Nair,
Manipal of Udupi Taluk, South Kanara Dist.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 15th November 1976

C. R. No. 62/5881(A)/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, M. HARIHARAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dry South Eastern portion measuring 20 Cents being plot C-9 in S. No. 318, togetherwith Mangalore tiles storeys house bearing No. 52, situated at Manipal Co-operative Housing colony, Manipal Shivalli Village (Outside the Municipality) Udupi, Taluk, S. K. Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udupi DOC. No. 1012/75-76 on 2/31976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shrimati Tara D. Bhat W/o Devaraya Bhat, No. 52, Manipal Co-operative Housing Colony, Manipal, Udupi Taluk, S. K. Dist.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1012/75-76 dated 2-3-76]

All that house sitc held on Muli right situated in Shivalli Village (outside the Municipality) of Udupi Taluk, Udupi Sub Districts, South Kanara District, bearing S. No. 318 Dry South eastern portion measuring 20 cents being plot C 9 on the plan attached to the above said sale deed together with a Mangalore tiled storeyed house with all electric fittings, water pipe fittings, tiled cow-pen, gobar gas plant, trees etc. laterite stone wall on the western side with an iron gate therein and barbed wire fences on the other three sides of the compound and bounded on the east by S. No. 51, on the south by plot No. C10, on the west by road and on the north by plot No. C8.

Plinth : ground floor = 1790 sq. ft.
first floor = 672 sq. ft.
= 2462 sq. ft.

M. HARIHARAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-11-1976

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001**

Bangalore-560001, the 18th November 1976

C. R. No. 62/5909/75-76/Acq/B.—Whereas, I, M. HARIHARAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building situated at Thyagaraja Road, Somwarpet, Coorg District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Somwarpet, Document No. 1310/75-76 on 22-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri K. S. Rajasékharaappa,
S/o Late Kadale Shanthamallappa,
Temple Road, Somwarpet, Coorg Dist.
(Transferor)

(2) Shri S. N. Lakshminarayana,
S/o Late Seetharamaiah,
Hangal Village, Somwarpet Taluk,
Coorg District.
(Transferee)

(3) 1. B. M. Manohar, Lawyer,
2. M. B. Thimmayya, Advocate,
3. Secretary, Somwarpet Congress Party and
4. Secretary, Somwarpet Youth Congress.

[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1310/75-76 dated 22-3-1976]
Building situated at Thyagaraja Road, Somwarpet, Coorg District.

Land : $57' \times \frac{79'+91'}{2} = 4845$ square feet.

Plinth : Ground floor = About 18 squares of R.C.C.
First Floor = About 16 squares of Mangalore tiled roofing.

Boundaries :

South = Thyagaraja Road
North = Mercara Road
West = House property belonging to M/s B. P. Laxmamma and others bearing Municipality Door No. 6 (bearing Survey No. 191/1) and
East = Remaining area of Survey No. 190.

M. HARIHARAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 18-11-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Caroline Goveas, W/o Late Benjamin Goveas, Coffee Planter, Iggodlu Estate, Iggodlu Village Madapur, Suntikoppa Nad, Coorg Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Hazel Goveas, W/o Mr. Albert Goveas, Iggodlu Estate, Iggodlu Village, Madapur, Suntikoppa Nad, Coorg Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 17th November 1976

C.R. No. 62/5918/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, M. HARIHARAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Coffee lands measuring 22-50 acres in Survey Nos. 16/2, 16/3, 18, 20, 1/2, and 1/3, situated at Hadageri Village Somwarpet Taluk, Coorg District.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mercara, Document No. 1106/75-76 on 30-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1106/75-76 dated 30-3-76]

All that piece and parcel of land and Coffee Estate forming part of the large Estate known as Iggodlu Estate including building, structures, Roads, trees and path ways, well and tanks etc. and movables comprised in the following Survey numbers within Hadageri Village, Somwarpet Taluk :

Sl. No.	Survey No.	Description	Acres	Cents.
1.	16/2	Coffee	0	70
2.	16/3	Land granted for grazing	11	98
3.	18	—do—	1	11
4.	20	—do—	3	61
5.	1/2	Coffee.	3	30
6.	1/3	—do—	1	80
			Total	22 50

Boundries : East : Survey Nos. 15/5 and 15/2 of Hudageri Village West : Survey Nos. 108 and 1/1 of Iggodlu Village South : Survey Nos. 15/5 and 15/6 of Hudageri Village and North : Survey No. 1/11 of Iggodlu village.

M. HARIHARAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 17-11-76

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, dated 15th November 1976

C.R. No. 62/5926/75-76/ACQ/B.—Whereas, I,
M. Hariharan,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share in Mill building, Lands with Well and Drying yard etc. consisting of 2 Acres and 26 guntas bearing Municipal Door Nos. 1610, 1610/1 and 1610/2 (Municipal Khata Nos. 1006, 1006/1 and 2006/2), in Survey Nos. 130 and 113/21, situated at Dr. Ambedkar Road, Bangarpet Town, Kolar Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangarpet Doc. No. 4727/75-76 on 3-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—366GI/76

(1) S. A. Azeez, S/o Meer Mohiddin, Seshachalam Mudaliar Road, Bangarpet Town, Kolar Dist.
 (Transferor)

(2) I. V. K. Manickyam, S/o Kolindi Gounder, New Town, Bangarpet, Kolar Dist. 2. Smt. G. Vanajakshamma, W/o Sri Palakshappa, Bangarpet, Kolar Dist.
 (Transferee)

* (3) M/s. State Ware Housing Corporation, Bangarpet.
 [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4727/75-76 dated 3-3-1976]

1/3rd share in Mill building, land with well and drying yard etc., consisting of 2 acres and 26 guntas bearing Municipal Door Nos. 1610, 1610/1 and 1610/2 (Municipal Khata Nos. 2006, 2006/1 and 2006/2) in Survey Nos. 130 and 113/21, situated at Dr. Ambedkar Road, Bangarpet Town, Kolar Dist (partly alienated—as per form No. 37G)

The entire premises measuring on East to West=325 ft. and on North to South=315 ft.

Boundaries : East : Ganesh Mills,

West : Sri Saha Sab's Lands,

North : Gangamma Palya or Dr. Ambedkar Road and South : Sri B. S. Shabuddin Shaib's lands.

As per schedule

M. HARIHARAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax;
 Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Jayshree Mohta 22, Belvedre Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 169D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**

Calcutta, the 23rd November 1976

Ref. No. 360/Acq. R-III/76-77/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3, situated at Jamadar Khan Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s Jayshree Housing Co-operative Society Ltd. 15, India Exchange Place, Calcutta.

(Transferee)

(3) Khundkar Fazle Sobhan,
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the title and interest in all that piece and parcel of land measuring 24 cottahs 6 chittacks 20 sq. ft. more or less being the northern portion of 3, Jamadar Khan Lane, Calcutta together with all right of easements appurtenances as per deed No. 1891 of 1976 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date : 23-11-76

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd November 1976

Ref. No. 361/Acq. R-III/76-77/Cal.—Wheras, I,
L. K. Balasubramanian,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3, situated at Jamadar Khan Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-5-76.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Manjushree Khaitan 4, Queen's Park, Calcutta.
(Transferor)
(2) M/s Jayshree Housing Co-operative Society Ltd. 15, India Exchange Place Calcutta.
(Transferee)
(3) Khondkar Fazle Sobhan.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the title and interest in all that piece and parcel of land measuring 16 cottahs 4 chittacks 40 sq. ft. more or less being the southern portion of 3, Jamadar Khan Lane, Calcutta together with all right of easements appurtenances, as per deed No. 1892 of 1976 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date : 23-11-76

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Smt. Manjushree Khaltan 4, Queen's Park, Calcutta
& 2, Jayshree Mohta, 22, Belvedere Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s Jayshree Housing Co-operative Society Ltd. 15,
India Exchange Place, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 362/Acq. R-III/76-77/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/1, situated at Jamadar Khan Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-5-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

All that piece and parcel of land measuring 3 cottahs 11 chittacks 35 sq. ft. more or less together with the structures thereon being known as 3/1, Jamadar Khan Lane, Calcutta as per deed No. 1893 of 1976 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 23-11-76

Seal